www.tamsasanket.com
वर्ष: 06 || अंक 08 || लखनऊ
बुधवार
08 अप्रैल 2026 || पृष्ठ: 04 || मूल्य: ₹ 2
75 आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:50
सूर्यास्त: 06:27
अधिकतम: 28°00
न्यूनतम: 17°00

पेज 03

विशेष समाचार | जब साल्ट एक ही होता है तो ... >> पेज 02 | 49 बस स्टेशनों का पीपीपी ... >> पेज 04 | अश्लील गाने के विवाद में नोरा की...

'आज रात एक सभ्यता पूरी तरह होगी नष्ट'

अल्टीमेटम खत्म होने से पहले ईरान पर ट्रंप का डराने वाला बयान

धमकी

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आज रात ईरान की पूरी सभ्यता खत्म करने की धमकी दी है। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर कहा- आज रात एक पूरी सभ्यता खत्म हो जाएगी, जिसे फिर कभी वापस नहीं लाया जा सकेगा। उन्होंने कहा- मैं नहीं चाहता कि ऐसा हो, लेकिन शायद ऐसा ही होगा। हालांकि, अब वहां सत्ता पूरी तरह बदल चुकी है, जहां अलग, ज्यादा समझदार और कम कट्टर सोच वाले लोग मौजूद हैं। कौन जानता है कि शायद कुछ बहुत शानदार और क्रांतिकारी हो सकता हो? ट्रम्प की धमकी पर साउथ अफ्रीका स्थित ईरानी दूतावास ने जवाब दिया है। ईरान ने कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगियों को ईरान की प्राचीन सभ्यता से ऐसा जवाब मिलेगा, जिसे कभी भूल नहीं पाएंगे। सबसे बड़ा हमला खार्ग आइलैंड पर हुआ, जहां ऑयल टर्मिनल को निशाना बनाया गया। ईरान का करीब 80 से 90% कच्चा तेल यहीं से एक्सपोर्ट होता है। सऊदी अरब और बहरीन को जोड़ने वाला अहम किंग फहद कॉसवे अब फिर से यातायात के लिए खोल दिया गया है। किंग फहद कॉसवे प्राधिकरण ने बताया कि आज पहले सुरक्षा कारणों से इस पुल पर वाहनों की आवाजाही रोक दी गई थी। यह कदम एहतियात के तौर पर उठाया गया था। अब हालात सामान्य होने के बाद पुल पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बहाल कर दी गई है। यह कॉसवे दोनों देशों के बीच एक महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है, इसलिए इसके बंद होने से आवाजाही पर असर पड़ा था। एक ईरानी लड़की ने सेना के एयरोस्पेस कमांडर से पिंक कलर की मिसाइल इजराइल पर दागने का अनुरोध किया था।

ट्रम्प ने दावा किया कि आज रात हम दुनिया के लंबे और जटिल इतिहास के सबसे अहम पल के गवाह बनेंगे। 47 सालों की ज्यादती, भ्रष्टाचार और मौत का सिलसिला आखिरकार खत्म हो जाएगा। ईश्वर ईरान के लोगों की रक्षा करे।

इजराइल पर लेबनान में फॉस्फोरस बम इस्तेमाल करने का आरोप

लेबनान की न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इजराइल ने दक्षिण लेबनान के अयनाता इलाके में फॉस्फोरस बम का इस्तेमाल किया है। फॉस्फोरस एक तरह का केमिकल होता है, जो बहुत खतरनाक और जहरीला होता है। इसका धुआं भी नुकसानदायक होता है। जब यह बम फटता है, तो इसका तापमान बहुत ज्यादा होता है (करीब 2760°C से भी ऊपर)। इससे निकलने वाले छोटे-छोटे कण सफेद धुएं की तरह चारों तरफ फैल जाते हैं। जहां इसका इस्तेमाल होता है, वहां हवा (ऑक्सीजन) कम हो जाती है, जिससे लोगों को सांस लेने में दिक्कत होती है। इसके कण शरीर के अंदर तक घुस सकते हैं। इसके संपर्क में आने पर तेज जलन होती है और इंसान की तुरंत मौत भी हो सकती है।

ईरान में कई जगहों पर अटैक

इजराइली एयर फोर्स ने मंगलवार को ईरान में करीब 10 अहम रेल लाइनों और पुलों पर हमला किया है। द टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, यह हमले इसलिए किए गए ताकि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स अपने हथियार और सैन्य सामान एक जगह से दूसरी जगह न ले जा सके। हमलों से पहले इजराइल ने ईरान के लोगों को चेतावनी दी थी कि वे शाम तक ट्रेनों से दूर रहें।

सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि ईरान की रिवोल्यूशनरी गाड्र्स इन रेलवे और हाईवे पुलों का इस्तेमाल हथियार और सैन्य सामान ले जाने के लिए कर रही थी।

इसी दौरान कोम और कशान में भी पुलों को निशाना बनाया गया। काशान के पास यहयाबाद रेलवे पुल पर हमले में 2 लोगों की मौत हो गई और 3 लोग घायल हुए हैं।

इसके अलावा उत्तर-पश्चिम ईरान में तबरीज-जंजान हाईवे के पुल पर भी हमला किया गया।

ट्रम्प बोले- ईरान में सभ्यता खत्म हो सकती है, आज की रात बहुत अहम

ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा- आज रात हालात इतने गंभीर हैं कि एक पूरी सभ्यता के खत्म होने का खतरा बताया जा रहा है। मैं ऐसा नहीं चाहता, लेकिन ऐसा हो भी सकता है। अगर सच में सत्ता में बड़ा बदलाव होता है और नए, ज्यादा समझदार और कम कट्टर लोग आगे आते हैं, तो हालात बेहतर भी हो सकते हैं। आज की रात दुनिया के इतिहास में बहुत अहम मानी जा रही है। कहा जा रहा है कि पिछले 47 साल से जो दबाव, भ्रष्टाचार और हिंसा चल रही थी, वह अब खत्म हो सकती है। उन्होंने कहा- आप जानते हैं किसने हमारी मदद नहीं की? साउथ कोरिया ने मदद नहीं की।

इजराइली सेना बोली- जंग में ईरान के 130 से ज्यादा एयर डिफेंस सिस्टम तबाह

इजराइल की सेना (IDF) ने नया वीडियो जारी कर दावा किया है कि उसने ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम पर हवाई हमले किए हैं। सेना के अनुसार, युद्ध के दौरान अब तक ईरान के 130 से ज्यादा एयर डिफेंस सिस्टम को नष्ट कर दिया गया है। जारी किए गए वीडियो में इन हमलों की झलक दिखाई गई है, जिसमें विभिन्न सैन्य ठिकानों को निशाना बनाते हुए दिखाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल अब उन सभी संस्थानों को निशाना बनाने की रणनीति अपना रहा है, जो ईरानी सरकार को किसी भी तरह से मदद पहुंचाते हैं।

"नीदरलैंड की प्रोफेसर मैरीके डे हून ने कहा कि अमेरिका और इजराइल अगर ईरान के सिविल टिकानों पर हमला युद्ध अपराध हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि आमतौर पर पुल, बिजली घर जैसे नागरिक टिकानों पर हमला नहीं किया जा सकता। हालांकि अगर इनका इस्तेमाल सेना के फायदे के लिए हो रहा हो, तो कुछ मामलों में हमला किया जा सकता है।

एअर इंडिया की घरेलू उड़ानें 899 तक महंगी

नया किराया 8 अप्रैल से लागू होगा, जेट फ्यूल के दाम बढ़ना वजह

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। एअर इंडिया ने घरेलू उड़ानों के लिए फ्यूल सरचार्ज बढ़ा दिया है। इससे हवाई सफर महंगा हो जाएगा। ग्लोबल मार्केट में विमान ईंधन (ATF) की कीमतों में आई तेजी के बाद एयरलाइन ने यह फैसला लिया है। नई दरें कल यानी 8 अप्रैल 2026 से प्रभावी होंगी। एयरलाइन के मुताबिक, जेट फ्यूल की कीमतें लगभग दोगुनी होने से लागत बढ़ गई है। विमान ईंधन की औसत कीमत 195.19 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई है, जो फरवरी के अंत में 99.40 डॉलर थी। इससे पहले इंडिगो ने भी फ्यूल सरचार्ज बढ़ाया था। एयरलाइंस का फ्यूल सरचार्ज टिकट पर लगने वाली वह एक्स्ट्रा फीस है।

>> (शेष पेज 04 पर)

दूसरे देशों के लिए सरचार्ज की स्थिति
सिंगापुर: 60 डॉलर
पश्चिम एशिया: 50 डॉलर
साउथ ईस्ट एशिया: 100 डॉलर
अफ्रीका: 130 डॉलर
यूरोप और यूके: 205 डॉलर

पाकिस्तान कितने टुकड़ों में बंटेगा, भगवान ही जाने : राजनाथ

बंगाल में नजर डाली तो बुरा नतीजा होगा, पाक बोला था- भविष्य में कोलकाता निशाने पर

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के कोलकाता पर हमला करने की धमकी पर जवाब दिया। राजनाथ ने कहा कि आसिफ को इस तरह का भड़काऊ बयान नहीं देना चाहिए था। 55 साल पहले जब पाकिस्तान दो हिस्सों में बंटा था। तब उन्हें इसके बुरे नतीजे भुगतने पड़े थे। अगर उन्होंने बंगाल पर बुरी नजर डालने की कोशिश की, तो भगवान ही जाने कि इस बार पाकिस्तान के कितने टुकड़े हो जाएंगे। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने 4 अप्रैल को सियालकोट में पत्रकारों से बात करते हुए भारत को धमकी दी थी। उन्होंने कहा था कि अगर भारत कोई फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन (छिपकर हमला) करता है, तो इस बार संघर्ष सिर्फ सीमा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कोलकाता तक पहुंच सकता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज सिंध की जमीन भारत का हिस्सा भले न हो, लेकिन सभ्यता के हिसाब से सिंध हमेशा भारत का हिस्सा रहेगा। और जहां तक जमीन की बात है। कब बॉर्डर बदल जाए कौन जानता है, कल सिंध फिर से भारत में वापस आ जाए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (PoK) भारत को बिना किसी लड़ाई या हमले के अपने आप मिल जाएगा।

फास्ट न्यूज

कांग्रेस बंगाल में 10 लाख तक मुफ्त इलाज देगी

कोलकाता। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को पार्टी का घोषणापत्र जारी किया। पार्टी ने खुद को राज्य में जनता के लिए तीसरे विकल्प के रूप में पेश करते किया। कांग्रेस के घोषणापत्र में महिलाओं को हर महीने 2,000 की आर्थिक सहायता, पोस्ट ग्रेजुएशन स्तर तक फ्री शिक्षा और राज्य में मुफ्त सरकारी परिवहन सुविधा देने की घोषणा की गई है।

बम हमले में 2 बच्चों की मौत के बाद हिंसा

इंफाल। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में मोइरांग ट्रोंगलाओबी इलाके में सोमवार देर रात उग्रवादियों ने एक घर में बम फेंक दिया। जिसमें 5 साल के एक लड़के और छह महीने की बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ऑफिसर ने बताया कि जब घर में बम फटा, तब बच्चे अपनी मां के साथ बेडरूम में सो रहे थे। मां घायल है। स्थानीय लोगों ने घटना के विरोध में मंगलवार सुबह प्रोटेस्ट किया। इलाके में एक पेट्रोल पंप के पास दो ऑयल टैंकर और एक ट्रक में आग लगा दी। उन्होंने मोइरांग पुलिस स्टेशन के सामने टायर जलाए और एक पुलिस चौकी को तोड़ दिया। इसके बाद भीड़ ने घटनास्थल से 100 मीटर दूर CRPF कैंप पर भी हमला कर दिया।

जम्मू-कश्मीर में 16 साल से फरार पाकिस्तानी आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा टेरर मॉड्यूल से जुड़े कुल 5 लोगों को अरेस्ट किया है। इनमें से दो पाकिस्तानी आतंकी हैं, बाकी उनके मददगार हैं। एक आतंकी की पहचान अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरेरा के रूप में हुई है। वहीं, दूसरा पाकिस्तानी आतंकी उस्मान उर्फ खुबैब है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ-साथ सेंट्रल एजेंसियां भी इस ऑपरेशन में शामिल थीं।

सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री का फैसला गलत : सरकार

जस्टिस नागरत्ना बोलीं- महिला को महीने के 3 दिन 'अछूत' मानें, चौथे दिन नहीं

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की संविधान बेंच ने मंगलवार को सबरीमाला मंदिर में महिलाओं को एंट्री देने का आदेश जारी रहे या नहीं इस पर पहले दिन 5 घंटे सुनवाई की। केंद्र ने शुरुआत में ही सुप्रीम कोर्ट में सबरीमाला मंदिर में मासिक धर्म आयु की महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक का समर्थन किया। सरकार ने कहा-2018 में सभी वर्ग की महिलाओं को एंट्री देने का सुप्रीम कोर्ट का फैसला गलत था। यह मामला पूरी तरह धार्मिक आस्था और संप्रदाय के अपने अधिकार से जुड़ा है। अदालतें महिलाओं के धार्मिक स्थलों में प्रवेश के मामले में दखल नहीं दे सकतीं। अगर कोई प्रथा गैर-वैज्ञानिक लगती है, न कि अदालत के पास। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि इस फैसले में महिलाओं के प्रवेश पर रोक को "छुआछूत" (अनुच्छेद 17 का उल्लंघन) माना गया था।

जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा- इस मामले में अनुच्छेद 17 यानी छुआछूत के खिलाफ अधिकार पर दलील किस तरह पेश की जाए, यह मेरी समझ से बाहर है। एक महिला होने के नाते मैं यह कहना चाहूंगी कि ऐसा नहीं हो सकता कि हर महीने 3 दिन तक तो महिला को अछूत माना जाए और चौथे दिन अचानक कोई अछूतपन न रह जाए।

हिमंता बोले- पाताल से निकालेंगे, खेड़ा ने कहा था- सीएम की पत्नी के पास 3 पासपोर्ट

असम पुलिस की कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के घर छापेमारी

कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

- हिमंता ने एक्स पर वीडियो पोस्ट कर कहा कांग्रेस ने दस्तावेज एक वेबसाइट स्क्रिप्ड से चुराए हैं।
- पवन खेड़ा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में 3 पासपोर्ट और कई दस्तावेजों की तस्वीर दिखाई।

नई दिल्ली। सीएम हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी पर फर्जी पासपोर्ट का आरोप लगाने के दो दिन बाद मंगलवार को असम पुलिस ने दिल्ली में पवन खेड़ा के घर छापा मारा। हिमंता की पत्नी की FIR के बाद यह कार्रवाई की गई है। हालांकि छापेमारी के वक्त पवन घर पर मौजूद नहीं थे। पुलिस ने घर से कुछ डॉक्यूमेंट्स और इलेक्ट्रिक डिवाइस सीज कीं। पवन के घर पर मौजूद नहीं होने पर हिमंता ने कहा कि गिरफ्तारी की चुनौती देने वाले खेड़ा अब हैदराबाद भाग गए हैं। कानून अपना काम करेगा। हम खेड़ा को पाताल से ढूंढकर ले आएंगे और पता करेंगे कि उन्हें फर्जी दस्तावेज किसने दिए। मुझे लगता है कि ये डॉक्यूमेंट्स शायद राहुल गांधी ने पवन खेड़ा को दिए होंगे। 5 अप्रैल को पवन ने असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा पर आरोप लगाया था कि उनके पास मिस्र, एंटीगा-बरबूडा और UAE के पासपोर्ट हैं। हिमंता और उनकी पत्नी ने आरोपों से इनकार किया। असम सीएम की पत्नी के पास तीन देशों मिस्र, एंटीगुआ-बरबूडा और UAE के पासपोर्ट हैं। पवन खेड़ा ने कॉन्फ्रेंस में तीन पासपोर्ट भी दिखाए। उन्होंने कहा कि सरमा की राजनीति मुसलमानों के खिलाफ नफरत पर आधारित है, जबकि उनकी पत्नी के पास दो मुस्लिम देशों के पासपोर्ट हैं। उन्होंने आगे कहा ही हिमंता की पत्नी 52 हजार करोड़ रुपए की अमेरिकी कंपनी की भी मालिक हैं। हिमंता ने सोमवार को दुबई में फ्लैट होने के आरोपों का जवाब दिया। उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया और लिखा कि हमने उन दो दुबई अपार्टमेंट के असली मालिकों का पता लगा लिया है।

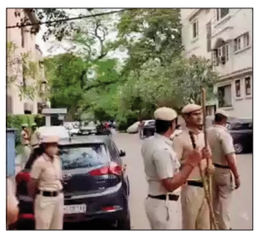

अमेरिका में हिमंता की पत्नी रिंकी भुइंया सरमा की एक कंपनी है। इस कंपनी की मेंबर लिस्ट में रिंकी भुइंया सरमा, हिमंता बिस्वा सरमा और उनके बेटे का नाम है। इस कंपनी का बजट 52,000 करोड़ रुपए का है। उन्होंने दावा किया की रिंकी सरमा की दुबई में 2 प्रॉपर्टी हैं, जिसकी पूरी जानकारी उपलब्ध है।

मंज़ूरी : 25 लाख युवाओं को दिए जाएंगे टैबलेट, योगी कैबिनेट ने 22 प्रस्तावों पर लगाई मुहर

शिक्षामित्रों का मानदेय दोगुना हुआ

- **1.42 लाख से अधिक शिक्षामित्रों को लाभ।**
- **25 लाख टैबलेट मुफ्त दिए जाएंगे।**

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक में 22 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी मिल गई। सरकार ने शिक्षामित्रों और अनुदेशकों का मानदेय लगभग दोगुना कर दिया है। यूपी के 52 जनपदों में परिवहन सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए पीपीपी मॉडल पर आधुनिक बस अड्डों के निर्माण का रास्ता साफ कर दिया है। इसके अलावा बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर, संत रविदास, कबीर, ज्योतिबा फुले, महर्षि वाल्मीकि समेत अन्य महापुरुषों की मूर्तियों का व्यापक सौंदर्यीकरण होगा। वहीं, स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के तहत युवाओं को निःशुल्क वितरण के लिए 25 लाख टैबलेट खरीदने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि वर्तमान में प्रदेश में 1,42,929 शिक्षामित्र कार्यरत हैं। इनमें से 1,29,332 शिक्षामित्रों का मानदेय अब तक समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत केंद्र व राज्य सरकार के 60:40 अनुपात में मिलता रहा है। मानदेय वृद्धि के बाद इन पर आने वाला 1138.12 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय प्रदेश सरकार वहन करेगी। शेष 13,597 शिक्षामित्र, जिनका मानदेय भुगतान पूरी तरह से राज्य सरकार द्वारा किया जाता है।

>> (शेष पेज 04 पर)

25 लाख युवाओं को निःशुल्क दिए जाएंगे टैबलेट

मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रदेश के लाखों छात्र-छात्राओं को सरकार की तरफ से बड़ी सौगात देते हुए स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के तहत युवाओं को निःशुल्क वितरण के लिए 25 लाख टैबलेट खरीदने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। जल्द ही प्रक्रिया पूरी कर टैबलेट वितरित किया जाएगा। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए इस योजना में 2000 करोड़ का प्रावधान किया गया है। योजना का पूरा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी, इससे केंद्र सरकार पर कोई अतिरिक्त वित्तीय बोझ नहीं पड़ेगा।

शिक्षामित्रों व अनुदेशकों को बढ़ा हुआ मानदेय मई के भुगतान में

प्रदेश सरकार ने 1.43 लाख शिक्षामित्रों व 24 हजार अनुदेशकों का नौ साल का सूखा खत्म किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में शिक्षामित्रों व अंशकालिक अनुदेशकों के मानदेय में वृद्धि को स्वीकृति दी गई। यह अप्रैल से लागू होगा और मई के भुगतान में इनको बढ़ा हुआ मानदेय मिलेगा। कैबिनेट के निर्णय की जानकारी देते हुए बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने बताया कि 2017 में 10 हजार रुपये निर्धारित किए गए शिक्षामित्रों का मानदेय बढ़ाकर अब 18 हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है।

अहमदाबाद में डोसा खाने से 2 बच्चियों की मौत

चार दिन बाद 3 महीने की बच्ची का शव कब्र से निकाल पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया

जांच

तमसा संकेत, एजेंसी

अहमदाबाद। अहमदाबाद के चांदखेड़ा क्षेत्र में 4 अप्रैल को डोसा खाने के बाद 2 बच्चियों की उल्टी होने से मौत हो गई थी। अगले दिन दोनों बच्चियों के शव दफना दिए गए थे। अब मामला दर्ज होने के चलते पुलिस ने एक बच्ची का शव कब्र से निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। परिजनों का आरोप है कि मारुति प्लाजा सोसायटी में रहने वाला विमल प्रजापति घनश्याम डेयरी से डोसे का तैयार घोल लाए थे। इसी घोल से डोसा बनाकर विमल, उनकी पत्नी और दोनों बेटियों ने खाया था। डोसा खाने के बाद चारों की तबीयत बिगड़ी और 3 महीने की राहा और 4 वर्षीय मिश्री की उल्टी होने के बाद मौत हो गई। वहीं विमल प्रजापति और पत्नी भावना प्रजापति का KD हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। चांदखेड़ा पुलिस आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर जांच कर रही है। तैयार घोल की क्वालिटी जानने के लिए FSL टीम ने घनश्याम डेयरी से सैंपल लेकर जांच शुरू की है। परिवार के सदस्य गौरीशंकर प्रजापति ने बताया कि बेटे ने रात 8:00 बजे घनश्याम डेयरी IOC रोड से तैयार घोल लाया था। इसी से बनाए गए डोसा खाने से चारों बीमार पड़ गए थे।

>> (शेष पेज 04 पर)

सम्पादकीय

अपशब्दों पर उतरे ट्रंप

अंग्रेजी की एक पुरानी कहावत है कि 'मुझे बताओ कि तुम्हारे दोस्त कौन हैं और मैं तुम्हें बताऊंगा कि तुम कौन हो, तात्पर्य यह कि हम जिस संगत में रहते हैं, उससे हमारे चरित्र का भी पता चलता है। हम नहीं जानते कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस विचार से कितना सहमत हैं। क्योंकि वे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू दोनों को अपना करीबी मित्र बताते हैं। उनके साथ व्यवहार भी कूटनीतिक शिष्टाचार से परे जाकर करते हैं। नेतन्याहू तो पहले ही युद्ध अपराधी ठहराए जा चुके हैं। ट्रंप उसी राह पर आगे बढ़ रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप पर कभी कोई मुकदमा अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में दर्ज होगा या नहीं, कहा नहीं जा सकता। लेकिन इस समय उनकी भाषा में जो गिरावट स्पष्ट परिलक्षित है, कम से कम उसका ख्याल रखकर ही नरेन्द्र मोदी को उनसे दूरी बना लेनी चाहिए। दरअसल ईरान पर अमेरिका और इजरायल को जंग छेड़े छह सप्ताह हो चुके हैं, जिसमें कई बार जीत का दावा करने के बावजूद डोनाल्ड ट्रंप जीत के लक्षण नहीं दिखा पाए। बल्कि बार-बार युद्धविराम की अवधि को बदलते हैं और साथ ही उनकी धमकियां भी बदल रही हैं। ईरान में सत्ता परिवर्तन के ऐलान से शुरु हुआ यह युद्ध अब नागरिकों को निशाने पर लेने की धमकियों पर उतर आया है। रविवार को ईस्टर के मौके पर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर ट्रंप ने ईरान को धमकी दी कि 48 घंटों में होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग खोलो वर्ना परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहो। ट्रंप ने लिखा कि मंगलवार को ईरान के बिजली संयंत्रों और पुलों पर व्यापक हमले हो सकते हैं, और इसे संघर्ष का निर्णायक क्षण बताया। लेकिन यह सब इसी तरह की शालीन भाषा में नहीं लिखा गया, बल्कि उन्होंने अपशब्दों का इस्तेमाल किया। और यह पहली बार नहीं है कि ट्रंप ने इस तरह सार्वजनिक तौर पर अपशब्द कहे हों। इससे पहले उन्हें पत्रकारों से चर्चा के दौरान या भाषण देते हुए भी अपशब्द बोलते देखा गया है। यह किसी लिहाज से स्वीकार्य नहीं होना चाहिए और वैश्विक नेताओं को खुलकर इसकी भर्त्सना करना चाहिए। नरेन्द्र मोदी से इसकी शुरुआत हो तो कितना अच्छा रहेगा। वैसे संयुक्त राष्ट्र में ईरानी मिशन ने ट्रंप की नवीनतम टिप्पणियों की निंदा करते हुए कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ईरान में 'नागरिकों के जीवन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे को नष्ट करने, की धमकी दे रहे हैं। मिशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, 'यदि संयुक्त राष्ट्र की अंतरात्मा जीवित होती, तो वह युद्ध भड़काने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने की खुली और बेशर्म धमकी पर चुप नहीं रहती। ट्रंप इस क्षेत्र को एक अंतहीन युद्ध में घसीटना चाहते हैं।, इसमें कहा गया, 'यह नागरिकों को आतंकित करने के लिए प्रत्यक्ष और सार्वजनिक उकसावा है और युद्ध अपराध करने के इरादे का स्पष्ट प्रमाण है।, इसमें आगे कहा गया- 'अंतरराष्ट्रीय समुदाय और सभी राज्यों का यह कानूनी दायित्व है कि वे युद्ध अपराधों के ऐसे जघन्य कृत्यों को रोकें। उन्हें अभी कार्रवाई करनी चाहिए। कल बहुत देर हो जाएगी।, वहीं ईरानी संसद के अध्यक्ष ग़लिबाफ़ ने कहा कि ट्रंप के 'लापरवाह कदमों से अमेरिका के हर परिवार को एक जीती-जागती नरक में धकेला जा रहा है, हमारा पूरा क्षेत्र जल उठेगा क्योंकि आप नेतन्याहू के आदेशों का पालन करने पर अड़े हैं।, ग़लिबाफ के इस बयान से असहमत होने का कोई कारण नहीं है, क्योंकि ट्रंप जिस तरह अपने बयान बदल रहे हैं, उसमें यही लगता है कि पटकथा कोई और लिख रहा है, केवल संवाद अदायगी ट्रंप की है। क्योंकि अपशब्द वाले बयान के बाद ट्रंप ने फॉक्स न्यूज के एक पत्रकार से कहा, मुझे लगता है कि सोमवार को समझौता होने की अच्छी संभावना है, वे (ईरान) अभी बातचीत कर रहे हैं। तो ट्रंप को लगता है कि ईरान अब भी उनसे बात कर समझौता करेगा, जबकि ईरान की सबसे बड़ी सैन्य कमांड यूनिट ख़ातम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता ने कहा, 'अगर आम लोगों पर हमले दोहराए गए, तो हमारे अगले हमले और जवाबी कार्रवाई पहले से कहीं ज़्यादा ख़तरनाक और बड़े पैमाने पर होंगे।, ध्यान देने वाली बात यह है कि ईरान केवल धमका नहीं रहा है, अपनी बात पर अमल भी कर रहा है। अमेरिका का साथ देने वाले खाड़ी देशों समेत इजरायल पर ईरान के हमलों को कोई रोक नहीं पा रहा है, वहीं अमेरिका के लड़ाकू विमानों पर हुए हमले और एक अमेरिकी पायलट के लापता होने की घटना ने भी जाहिर कर दिया है कि अमेरिका उतना भी ताकतवर देश नहीं है, जितना बड़ा उसका हौव्वा खड़ा किया गया है। ईरान की पहाड़ियों में लापता पायलट को बचाने का दावा ट्रंप ने किया है, हालांकि ईरान ने कहा है कि उसने बचाव के लिए आए सैन्य दस्ते पर भी हमला किया है। अब किसका दावा सही है और किसका गलत, यह तय नहीं किया जा सकता। लेकिन इतना तो नजर आ ही रहा है कि इस युद्ध में अमेरिका को वैसी ही चोट पड़ रही है, जो पहले इराक, अफगानिस्तान, क्यूबा और वियतनाम में पड़ चुकी है। 2019 में ट्रंप ने खुद एक पोस्ट में प.एशिया में अमेरिका की सैन्य दखलंदाजी और युद्ध को गलत ठहराया था, क्योंकि उसमें अरबों डॉलर खर्च हुए और सैनिकों का नुकसान हुआ। लेकिन अब संभवतः एपस्टीन फाइल्स के खुलासे के दबाव में ट्रंप ने पूरी दुनिया को युद्ध की बर्बादी में झोंक दिया है। अपनी गलती मानने की जगह रोजाना बेतुके, निर्लज्ज बयानों से उसे सही भी ठहरा रहे हैं।

जब साल्ट एक ही होता है तो जेनेरिक दवा कम असरकारी कैसे हो सकती है?

> जर्नल ऑफ हेल्थ इकोनॉमिक्स के मुताबिक, एक पेटेंट इनोवेटर को उस उत्पाद पर रिसर्च के दौरान किए गए खर्च या लागत को वसूलने और उससे लाभ हासिल करने की अनुमति देता है। जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, किसी भी दवा के इनोवेटर या कंपनी उस दवा को बनाने से लेकर बाजार में उतारने और उस-के बाद के 10-15 साल के दौरान करीब 5,600 करोड़ रुपए खर्च करती है।

दवा कंपनियों की अत्यधिक मुनाफाखोरी और भ्रष्ट सरकारी तंत्र (नियामकों/डॉक्टरों) का गठजोड़ भारत में स्वास्थ्य व्यवस्था को खोखला कर रहा है। जेनेरिक दवाओं के बजाय महंगी ब्रांडेड दवाएं लिखना, डॉक्टरों को उपहार/विदेश यात्रा, और भ्रष्टाचार के कारण दवाओं के अनियंत्रित दाम आम जनता पर बोझ डालते हैं, जिससे जीवन रक्षक दवाएं भी अप्राप्य हो जाती हैं। जब डक्टर को कहा जाता है कि हमें जेनेरिक दवा लिख कर दो तो जवाब होता है कि ये कम असर वाली होती है । अगर इसी प्रकार यदि बात ज़हरीली दवाओं की की जाये तो हमें यह समझना होगा कि एक सामान्य-सी दिखने वाली दवा कैसे इतनी घातक बन जाती है। दरअसल प्रत्येक दवा दो प्रकार की चीज़ों को मिलाकर बनती है – पहला उसके सक्रिय तत्व, जो बीमारी का उपचार करते हैं, और दूसरे उसके सहायक तत्व, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि दवा शरीर के उचित हिस्से तक पहुँचे। इसलिए किसी भी औषधि को सुरक्षित घोषित करने से पहले उस पर अनेक प्रकार के परीक्षण (clinical trials) किये जाने आवश्यक होते हैं। सिरपों में प्रायः ग्लिसरीन और प्रोपिलीन ग्लाइकोल को सुरक्षित सहायक तत्व के रूप में उपयोग किया जाता है, लेकिन अक्सर पाया गया है कि लागत घटाने के उद्देश्य से कई कम्पनियाँ इनकी जगह सस्ते में उपलब्ध डाइएथिलीन ग्लाइकोल (DEG) का प्रयोग करती हैं जो कि एक विषैला औद्योगिक सॉल्वेंट है। DEG का सम्मिलन दवाओं को घातक बना देता है, क्योंकि यह एक ऐसा पदार्थ है जोकि लिवर, दिमाग़ और दिमाग़ की कोशिकाओं को गम्भीर रूप से नुकसान पहुँचा सकता है और इसलिए अन्त में जान बचाने वाली दवा ही मरीज़ की मृत्यु का कारण बन जाती है। लेखक का स्वयं का अनुभव है कि डॉक्टर की लिखी दवा पैनम डी अपने पास के मेडिकल स्टोर से खरीदी तो वह छपे भाव में मिली और उसे ही जेनेरिक रूप में ऑन लाइन मंगवाई तो 51 % कम में मिली यानि वह जेनेरिक थी । लेखक एक ही दवा को लेकर अलग – अलग जेनेरिक दवाइयों की दुकान पर लेखक गया। लेखक ने पाया कि एक ही दवा अलग – अलग दुकान पर अलग – अलग नामों से व भावों से बिक रही है। 20 रुपये की दवा की कीमत भी 80 रूपया लिखा होता है। पता करने पर पाया कि जेनेरिक दवाओं के प्रिंट रेट यानी इन दवाओं पर छपने वाली कीमत पर कोई नियंत्रण नहीं है। आईएमए के सदस्य और मेडिकल कॉलेज में प्रोफेसर डॉक्टर हेमंत जैन के एक लेख के अनुसार ब्रांडेड मेडिसिन पर फार्मासिस्ट को 5 से 20 प्रतिशत तक कमीशन मिलता है, पर जेनेरिक मेडिसिन की प्रिंट रेट और रीटेलर की खरीद कीमत में 50 गुना से 350 गुना तक का अंतर होता है। 10 पैसे की बी कॉम्प्लेक्स 35 रुपए तक में बिकती है। इसका आम जनता या मरीजों को उतना फायदा नहीं मिलता, जितना मिलना चाहिए। ऐसे में सरकार को जेनेरिक मेडिसिन के प्रिंट रेट पर भी लगाम लगाने की जरूरत है, वरना जनता को कोई फायदा नहीं होने वाला। आम तौर पर सभी दवाएं एक तरह का केमिकल सॉल्ट होती हैं। इन्हें शोध के बाद अलग-अलग बीमारियों के लिए बनाया जाता है। जेनेरिक दवा जिस सॉल्ट से बनी होती है, उसी के नाम से जानी जाती है। जैसे- दर्द और बुखार में काम आने वाले पैरासिटामोल सॉल्ट को कोई कंपनी इसी नाम से बेचे तो उसे जेनेरिक दवा कहेंगे। वहीं, जब इसे किसी ब्रांड जैसे- क्रोसिन के नाम से बेचा जाता है तो यह उस कंपनी की ब्रांडेड दवा कहलाती है। चौंकाने वाली बात यह है कि सर्दी-खांसी, बुखार और बदन दर्द जैसी रोजमर्रा की तकलीफों के लिए जेनरिक दवा महज 10 पैसे से लेकर डेढ़ रुपए प्रति टैबलेट तक में उपलब्ध है। ब्रांडेड में यही दवा डेढ़ रुपए से लेकर 35 रुपए तक पहुंच जाती है। गौरतलब है कि देश में जेनरिक दवाओं के इस्तेमाल को लेकर केंद्र सरकार ने डॉक्टरों को सख्त निर्देश जारी किया था । सरकार ने आदेश जारी कर सभी डॉक्टरों को जेनरिक दवाएं पेशेंट्स के लिए लिखने को कहा था । साथ ही यह चेतावनी भी दी गई थी अगर डॉक्टर जेनरिक दवा नहीं लिखते तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य सेवा के डायरेक्टर जनरल ने आदेश जारी करते हुए इस बात की वार्निंग दी थी। केंद्र सरकार ने सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य कल्याण केंद्रों के डॉक्टरों को जेनरिक दवाएं ही लिखने के लिए निर्धारित नियमों का पालन करने की चेतावनी जारी की थी ।पर न जाने क्यों इस आदेश पर अमल नहीं हुआ। लोगों को सस्ती दवाएं उपलब्ध करवाने और सरकारी नीतियों में बदलाव को लेकर काम कर रहे जन स्वास्थ्य अभियान के डॉ। इंद्रनील मुखोपाध्याय बताते हैं- जेनेरिक दवाओं को लेकर भारत और विदेशों में काफी अंतर है। 2007 के बाद से पेटेंट कानून में कोई प्रभावी संशोधन नहीं हुआ। दूसरी बड़ी बात यह है कि सरकारी अस्पतालों में मिलने वाली दवाओं की कीमतों में भी भारी अंतर होता है। खास तौर पर इनकी प्रिंट रेट और खरीद कीमत में भारी अंतर होता है। ऐसे में सरकार को इन दवाओं की एवरेज प्राइसिंग करनी चाहिए। इससे दवाओं की कीमतों में बड़ा फर्क आ जाएगा। अभी किसी भी मरीज का दवाओं पर औसत खर्च 180% ज्यादा है। दवा कीमतों पर नियंत्रण के बाद इसमें भारी कमी आ जाएगी। डॉ। मुखोपाध्याय बताते हैं कि जेनेरिक दवा ब्रांडेड भी होती है। एक ही कंपनी जेनेरिक और ब्रांडेड, दोनों दवाएं बनाती है, लेकिन उनकी कीमतों में काफी अंतर होता है। ऐसे में अगर सरकार लोगों को या मरीजों को सस्ती दवाएं उपलब्ध करवाना चाहती है तो उनकी कीमतों पर नियंत्रण जरूरी है। जेनेरिक दवाओं के मामले में भी बड़ा खेल होता है, खासतौर पर सरकारी खरीद या अस्पतालों में खरीदी जाने वाली दवाओं के मामलों में।

अशोक भाटिया

जन सुराज का...

रामस्वरूप रावतसरे

चाइनीज सीसीटीवी कैमरे, 'कनेक्टेड आँखें' बनी नेशनल सिक्योरिटी का मुद्दा

भारत में निगरानी व्यवस्था यानी सर्विलांस सिस्टम को लेकर 01 अप्रैल 2026 से सरकार ने नए सख्त नियम लागू कर दिया है जिसके बाद चीन की कई सीसीटीवी कंपनियाँ जैसे टीपी लिंक, हिकवीजन और दहुआ भारतीय बाजार से लगभग बाहर हो जाएँगी। सरकार ने साफ कर दिया है कि अब इंटरनेट से जुड़ी वही कैमरा डिवाइस भारत में बिक सकेंगी, जिनके पास जरूरी सुरक्षा सर्टिफिकेट होगा। यह सर्टिफिकेट एसटीक्युसी यानी सरकारी जाँच प्रक्रिया के तहत मिलता है। जिन कंपनियों ने यह सर्टिफिकेट नहीं लिया है, वे अब अपने प्रोडक्ट भारत में नहीं बेच पाएँगी। इस फैसले के पीछे सबसे बड़ी वजह देश की सुरक्षा मानी जा रही है। सरकार चाहती है कि भारत में इस्तेमाल होने वाले सभी निगरानी उपकरण सुरक्षित हों और उनका डेटा देश के लिए खतरा न बने। इसके साथ ही सरकार भरोसेमंद सप्लाई चेन और डेटा की सुरक्षा यानी डेटा संप्रभुता पर भी जोर दे रही है। जानकारों के अनुसार नए सर्टिफिकेशन नियमों का असर भारत के सीसीटीवी बाजार में तुरंत दिखाई देने लगा है। जो चीनी ब्रांड कुछ समय पहले तक बाजार का लगभग एक तिहाई हिस्सा रखते थे, अब वे या तो बाहर हो रहे हैं या अपने काम करने का तरीका पूरी तरह बदल रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अब भारतीय कंपनियाँ जैसे सीपी प्लस, क्यूबो, प्रामा, मैट्रिक्स और स्पार्श मिलकर बाजार के 80 प्रतिशत से ज्यादा हिस्से पर कब्जा कर चुकी हैं। वहीं बॉश और हनीवेल जैसी विदेशी कंपनियों ने प्रीमियम सेगमेंट में अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है। दूसरी तरफ चीनी और छोटे खिलाड़ी नियमों का पालन न कर पाने की वजह से बाजार से गायब होते जा रहे हैं। जो कंपनियाँ ज्यादा हद तक चीनी चिपसेट और सॉफ्टवेयर पर निर्भर थीं, उन्हें नए नियमों को पूरा करने में काफी परेशानी हो रही है। हिकविजन जैसी बड़ी कंपनियों को अब भारतीय कंपनियों के साथ साझेदारी करने और चीनी सप्लाई चेन से दूर जाने के रास्ते तलाशने पड़ रहे हैं, क्योंकि भारत सरकार के नियम सख्त हो गए हैं। वहीं दहुआ की मौजूदगी बाजार में लगभग 80 प्रतिशत तक घट चुकी है। जानकारों के अनुसार चीन से जुड़ी कंपनियाँ जैसे शाओमी और रियलमी, जो स्मार्ट होम कैमरा सेगमेंट में काफी मजबूत मानी जाती थीं, उन्होंने भी नए नियमों को पूरा करने में दिक्कत के कारण इस बाजार से दूरी बना ली है। इस बदलाव की वजह से लागत में करीब 15 से 20 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है, क्योंकि अब लोकल स्तर पर चीजें तैयार करनी पड़ रही हैं और दूसरे स्रोतों से सामान लेना पड़ रहा है। हालाँकि बाजार के बड़े खिलाड़ियों ने निचले सेगमेंट में कीमतों को काफी हद तक संतुलित रखा है। यह पूरा बदलाव अप्रैल 2024 में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा लागू किए गए नए नियमों से शुरू हुआ था। इन नियमों के तहत किसी भी प्रोडक्ट को भारत में बेचने से पहले उसकी सुरक्षा जाँच, उसमें इस्तेमाल हाने वाले पार्ट्स का स्रोत बताना और उसकी कमजोरियों की जाँच करना जरूरी कर दिया गया है। 04 फरवरी 2026 को भारत सरकार ने एक सर्कुलर जारी किया, जिसमें बाजार में हो रहे बदलावों के पीछे की नीति को साफ तौर पर समझाया गया। इस सर्कुलर में बताया गया कि अब सीसीटीवी कैमरों की सुरक्षा से जुड़ी जाँच एक ही तरीके से होगी और इसके लिए एसटीक्युसी यानी मानक परीक्षण औऱ गुणवत्ता सर्टिफिके-शन की जाँच को जरूरी बनाया गया है, जो आवश्यक आवश्यकताओं के ढाँचे के तहत होगी। सरकार ने दो अहम नियमों को आपस में जोड़ दिया है। पहला है अनिवार्य पंजीकरण आदेश और दूसरा है मेक इन इंडिया के तहत सरकारी खरीद में प्राथमिकता देने वाला नियम। अब इन दोनों के लिए अलग-अलग प्रक्रिया की जरूरत नहीं होगी। एक ही एसटीक्युसी की सुरक्षा जाँच रिपोर्ट दोनों नियमों का पालन करने के लिए काफी होगी। इस फैसले से पहले जो भ्रम की स्थिति थी, वह अब खत्म हो जाएगी और नियमों को लागू करना भी ज्यादा सख्त और आसान हो जाएगा। जानकारों के अनुसार इस सर्कुलर में साफ कर दिया गया है कि सुरक्षा सर्टिफिकेशन का संबंध मेक इन इंडिया के तहत होनो वाली वैल्यू एडिशन यानी स्थानीय हिस्सेदारी की शर्तों से अलग है। आसान शब्दों में कहें तो अगर कोई उत्पाद लोकलाइजेशन यानी देश में बनने के मानकों को पूरा भी करता है, तब भी यह सुरक्षा जाँच से बच नहीं सकता। यहाँ इंटरनेट से जुड़े उपकरणों के लिए बनने वाली सर्टिफिकेशन योजना यानी आइओटी सिस्टम सर्टिफि-केशन स्कीम की अहम भूमिका होती है।

इसीलिए बोडोलैंड...

पंकज जायसवाल

बोडोलैंड में शांति की निरंतरता: असम चुनाव की बड़ी कसौटी

आज असम में चुनाव हो रहे हैं. यह चुनाव सिर्फ राज्य का चुनाव नहीं है, पूर्वोत्तर में शांति और स्थिरता के भविष्य का भी चुनाव है. असम पूर्वोत्तर के सभी राज्यों की सीमाओं को जोड़ता है और पूर्वोत्तर के केंद्र में है. ऐसे में अगर असम में शांति और स्थिरता है तो पूर्वोत्तर में शांति और स्थिरता को मजबूत रखने का आधार और मजबूत होगा। असम एक ट्राइबल प्रदेश है और वहां शांति की चर्चा के बीच बोडोलैंड की चर्चा महत्वपूर्ण हो जाती है. आज असम की शांति में शांत और स्थिर बोडोलैंड का होना जरुरी है. 2020 में हुए बोडो एकॉर्ड के बाद आई शांति आज सबकी साझा जिम्मेदारी है कि इस शांति को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से ऊपर उठकर संरक्षित किया जाए। इसीलिए बोडोलैंड में शांति की निरंतरता इस असम चुनाव की सबसे बड़ी कसौटी है. बोडोलैंड के बदलाव को पिछले १२ सालों में मैंने नजदीक से देखा है. इस लेख में हम चर्चा करते हैं कि २०२० के पहले बोडोलैंड कैसा था, २०२० के बाद कैसा रहा और बोडोलैंड में शांति और स्थिरता के लिए किस किस का योगदान रहा. लगभग छह वर्ष पहले तक बोडोलैंड एक अशांत क्षेत्र के रूप में जाना जाता था। लंबे संघर्ष, जातीय तनाव और राजनीतिक अस्थिरता ने इस क्षेत्र को विकास से दूर कर दिया था, युवा बेचैन और दिशाविहीन थे। दशकों तक शांति के लिए संघर्ष कर रहे बोडोफ़ा उपेंद्र नाथ ब्रह्मा का सपना तब साकार हुआ जब 27 जनवरी 2020 को नरेंद्र मोदी, अमित शाह, हिमंता बिस्वा सरमा, प्रमोद बोरो समेत सभी स्थानीय नेताओं के सहयोग से भारत सरकार, असम सरकार, नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड , ऑल बोडो स्टूडेंट्स यूनियन, और यूनाइटेड बोडो पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन के बीच शांति समझौते पर किया गया हस्ताक्षर बोडोलैंड में शांति युग का प्रस्तावना बना। २०२० का यह समझौता स्थायी शांति की दिशा में निर्णायक मोड़ साबित हुआ। असम में बोडो सबसे बड़ा समुदाय है और असम की कुल जनसंख्या का लगभग 5 से 6 फीसदी हैं। अबसु के साथ पहला बोडो समझौता 1993 में हुआ था और सीमित राजनीतिक शक्तियों के साथ बोडोलैंड स्वायत्त परिषद का गठन हुआ लेकिन सन २०२० में हुआ बोडो समझौता अब तक के किये गए समझौतों में सबसे निर्णायक समझौता बना और इससे स्थायी शांति की नींव पड़ी. इस परिवर्तन की पृष्ठभूमि में दशकों पहले बोडोफ़ा उपेंद्र नाथ ब्रह्मा के संघर्ष की भूमिका रही, जिन्हें सम्मान से "फादर ऑफ बोडोज" कहा जाता है । बोडोलैंड में शांति की स्थापना आज उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है. समझौते के तुरंत बाद हुए चुनाव में अबसु से राजनीति में आए प्रमोद बोरो को जनता का व्यापक समर्थन मिला और वे बोडोलैंड टेरीटोरियल रीजन जिसे बीटीआर कहते हैं के चीफ चुने गए । ये लेखक भी हैं और गांधी के अहिंसा के सिद्धांतों में विश्वास रखते हैं।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

सरदूल सिंह

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास का एक अत्यंत महत्वपूर्ण दिन - 8 अप्रैल 1929

8 अप्रैल 1929 भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रतीकात्मक दिन है। इस दिन भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने दिल्ली की केंद्रीय विधानसभा (असेंबली) में बम फेंककर औपनिवेशिक शासन के खिलाफ एक ऐसा राजनीतिक संदेश दिया जिसकी गूंज आज भी सुनाई देती है। यह घटना किसी हिंसक विद्रोह का नहीं, बल्कि एक सुनियोजित वैचारिक हस्तक्षेप का उदाहरण थी, जिसका उद्देश्य था— भारतीय बहरों को सुनाना और उन्हें नींद से जगाना ताकि वे समाजवाद के लिए तैयार हों। इस ऐतिहासिक घटना को समझने के लिए उसके पीछे की राजनीतिक और वैचारिक पृष्ठभूमि को जानना आवश्यक है। उस समय ब्रिटिश सरकार भारत में दमनकारी कानूनों के माध्यम से स्वतंत्रता आंदोलन को कुचलने का प्रयास कर रही थी। "पब्लिक सेफ्टी बिल" (सार्वजनिक सुरक्षा विधेयक) और "ट्रेड डिस्प्यूट एक्ट" जैसे कानूनों का उद्देश्य था—एक ओर राजनीतिक आंदोलनों को दबाना और दूसरी ओर मजदूर वर्ग के अधिकारों को सीमित करना। इन कानूनों के माध्यम से अंग्रेजी सत्ता यह सुनिश्चित करना चाहती थी कि भारत की जनता संगठित होकर अपने अधिकारों के लिए संघर्ष न कर सके। इन परिस्थितियों का विश्लेषण करते हुए हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के क्रांतिकारियों ने यह निष्कर्ष निकाला कि अब केवल गुप्त क्रांतिकारी गतिविधियों से काम नहीं चलेगा, बल्कि जनता को सीधे तौर पर जागरूक करना आवश्यक है। भगत सिंह और उनके साथियों ने गहन अध्ययन, बहस और आत्ममंथन के बाद यह समझा कि "बम और पिस्तौल" क्रांति के साधन नहीं, बल्कि केवल प्रतीक हो सकते हैं। असली क्रांति तो विचारों की ताकत से ही आती है। इसी सोच के तहत उन्होंने 8 अप्रैल 1929 को असेंबली में बम फेंकने की योजना बनाई। इस योजना की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह थी कि बम में किसी प्रकार के छर्रे नहीं डाले गए थे, ताकि

किसी व्यक्ति को हानि न पहुंचे। यह केवल एक प्रतीकात्मक धमाका था, जिसका उद्देश्य था—जनता और शासकों का ध्यान आकर्षित करना। बम फेंकने के बाद भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने भागने की बजाय स्वयं को गिरफ्तार कराया, ताकि अदालत को एक मंच के रूप में इस्तेमाल कर अपने विचारों का प्रचार-प्रसार किया जा सके। असेंबली में फेंके गए पर्चों में, जिन्हें भगत सिंह ने 'बलराज' के नाम से जारी किया था, स्पष्ट रूप से लिखा गया था कि यह कदम मानव जीवन को नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं, बल्कि अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने के लिए उठाया गया है। उन्होंने कहा कि "हम मनुष्य के जीवन को पवित्र समझते हैं" और हमारा उद्देश्य एक ऐसे समाज का निर्माण करना है, जिसमें सभी को स्वतंत्रता, समानता और सम्मान मिले। भगत सिंह का दृष्टिकोण केवल राजनीतिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं था। वे एक व्यापक सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन के पक्षधर थे। उनका मानना था कि केवल अंग्रेजों को हटाकर अगर उसी पूंजीवादी और शोषणकारी व्यवस्था को बनाए रखा जाए, तो आम जनता की स्थिति में कोई वास्तविक सुधार नहीं होगा।

विश्व स्वास्थ्य दिवस

मनुष्य के सबसे सच्चे साथी स्वास्थ्य और स्वस्थ दिनचर्या हैं । स्वास्थ्य स्वस्थ है तो दिनचर्या भी सही होगी । विश्व स्वास्थ्य संगठन का संविधान, जो 7 अप्रैल 1948 को लागू हुआ, ने स्वास्थ्य को पूर्ण शारीरिक, मानसिक और सामाजिक कल्याण की स्थिति के रूप में परिभाषित किया। संविधान के लेखक स्वास्थ्य को रोगों की उपस्थिति या अनुपस्थिति पर निर्भर एक स्थिति के रूप में देखने की प्रवृत्ति से स्पष्ट रूप से अवगत थे इसलिए उन्होंने उस परिभाषा में जोड़ा कि एक व्यक्ति, अगर उसे स्वस्थ माना जाता है, तो उसे किसी भी बीमारी से ग्रस्त नहीं होना चाहिए । साधारण भाषा में स्वास्थ्य की सबसे सरल परिभाषा जिसे बीमारी की अनुपस्थिति के बराबर माना जाता है । स्वास्थ्य के संवर्धन की परिभाषा को बीमारियों को दूर करने और उनसे पीड़ित व्यक्तियों की संख्या को कम करने के प्रयास के रूप में ले जाएगी। आज स्वास्थ्य की तीन तरह की परिभाषाएं संभव लगती हैं और उनका इस्तेमाल किया जाता है। पहली परिभाषा यह है कि स्वास्थ्य किसी भी बीमारी या दुर्बलता की अनुपस्थिति है। दूसरी परिभाषा यह है कि स्वास्थ्य एक ऐसी स्थिति है जो व्यक्ति को दैनिक जीवन की सभी मांगों का पर्याप्त रूप से सामना करने की अनुमति देती है (जिसका अर्थ है बीमारी और दुर्बलता की अनुपस्थिति)। तीसरी परिभाषा बताती है कि स्वास्थ्य संतुलन की एक स्थिति है, एक संतुलन जो एक व्यक्ति ने अपने भीतर और अपने सामाजिक और भौतिक वातावरण के बीच स्थापित किया है। आहार का तन-मन पर पूरा प्रभाव होता है । सात्विक आहार मन में सुभाव लाता है जबकि तामसिक अन्न से मन में सद्विचारों का अभाव होता है ।स्वास्थ्य पर भी अन्न अपना पूरा रूप दिखाता है । संतुलित-संयमित-स्वस्थ भोजन तन-मन को स्वस्थ बनाता है जबकि असंयमित , अनुपयुक्त अपरिमित आहार रोगों को निमन्त्रण पत्र भिजवाता है । चूंकि हमारा शरीर भी एक मशीन है जिसे समय-समय पर विश्राम देना ज़रुरी है । अतः कभी-कभी आहार से परे अनाहार रहने से स्वास्थ्य की मांग पूरी होती है ।इससे मन प्रफुल्ल- तन उत्फुल्ल, और जीवन सबल-सफल होगा। अतः भोजन को हम तन-मन की मांग के अनुरुप ढालें , ऋत-मित-हित आहार को अपना कवच बना लें । हमें उपयुक्त खाद्य शैली को सही से अपना कर एक स्वस्थ जीवन जीने की ओर प्रस्थित करते रहना है । वह जीवन को सही स्वस्थ जीने को अभिमुख होना हैं । यही हमारे स्वास्थ्य के लिए काम्य हैं ।

> प्रदीप छाजेड़

'धुरंधर 2' का बॉक्स ऑफिस पर धमाका

विराट कोहली ने कहा- "ऐसा सिनेमैटिक एक्सपीरियंस पहले कभी नहीं देखा"

मुंबई, एजेंसी

फिल्म 'धुरंधर 2' रिलीज के बाद से ही बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा रही है। मूवी ने भारत में 1 हजार करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है, और फिल्म अभी भी रुकने का नाम नहीं ले रही है। इसे लोगों से भी काफी सराहना मिली है। अब फिल्म की क्रिकेटर विराट कोहली ने भी खूब तारीफ की है।

विराट कोहली ने अपने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर कर फिल्म को लेकर अपना रिव्यू दिया है। उन्होंने फिल्म 'धुरंधर द रिवेंज' को लेकर जबरदस्त रिएक्शन दिया है। उन्होंने इस फिल्म को 'एक अलग ही सिनेमैटिक एक्सपीरियंस' बताया, जैसा उन्होंने पहले कभी भारत में नहीं देखा। फिल्म देखने के बाद विराट ने सोशल मीडिया पर डायरेक्टर आदित्य धर की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि आदित्य का विजन और कॉन्फिडेंस कमाल का है और उन्हें 'जीनियस' तक बता दिया। फिल्म Dhurandhar 2 की

कमाई के आंकड़े भी चौंकाने वाले हैं। अब तक यह फिल्म भारत में 1,019.53 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर चुकी है, जबकि वर्ल्डवाइड इसका आंकड़ा 1,605.43 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। ट्रेड एक्सपर्ट्स का मानना है कि आने वाले दिनों में फिल्म और भी नए रिकॉर्ड बना सकती है। फिल्म में रणवीर सिंह के अलावा Sanjay Dutt, Arjun Rampal, Sara Arjun और Rakesh Bedi जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं।

सभी कलाकारों के अभिनय को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। विराट कोहली जैसे बड़े स्टार के रिव्यू के बाद फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा और तेज हो गई है। फैंस बड़ी संख्या में फिल्म देखने के लिए सिनेमाघरों का रुख कर रहे हैं।

रणवीर सिंह की परफॉर्मेंस पर क्या बोले विराट?

विराट कोहली ने खास तौर पर रणवीर सिंह की एक्टिंग की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि रणवीर इस फिल्म में एक अलग ही लेवल पर पहुंच गए हैं। हालांकि उन्होंने बाकी कलाकारों की भी सराहना की, लेकिन रणवीर की परफॉर्मेंस को 'एकदम वाओ' बताया।

'धुरंधर 2' के बारे में

'धुरंधर द रिवेंज' 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। जिसके बाद से ही ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई कर रही है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अब तक भारत में 1,019.53 करोड़ की कमाई कर चुकी है। वहीं वर्ल्डवाइड इसका कलेक्शन 1,605.43 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। बता दें कि फिल्म मे रणवीर सिंह, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन और राकेश बेदी अहम किरदार में नजर आए हैं।

विराट ने यह भी कहा कि फिल्म में हर तरह की इमोशन्स देखने को मिलते हैं और करीब चार घंटे लंबी इस फिल्म ने उन्हें एक पल के लिए भी बोर नहीं होने दिया। उन्होंने कहा कि वह पूरी फिल्म के दौरान बिल्कुल भी नजर नहीं हटाए। विराट के इस रिएक्शन के बाद फिल्म को लेकर फैंस के बीच एक्साइटमेंट और भी बढ़ गई है।

चार घंटे लंबी फिल्म, फिर भी नहीं हुआ बोरियत का एहसास

विराट कोहली ने फिल्म की लंबाई को लेकर भी खास टिप्पणी की। करीब चार घंटे लंबी इस फिल्म को लेकर उन्होंने कहा कि यह कहीं भी दर्शकों को बोर नहीं करती। फिल्म में एक्शन, इमोशन, ड्रामा और सस्पेंस का ऐसा संतुलन है, जो दर्शकों को अंत तक जोड़े रखता है। उन्होंने कहा कि पूरी फिल्म के दौरान उनकी नजर एक पल के लिए भी स्क्रीन से नहीं हटी।

सट्टेबाजी का दबाव खिलाड़ियों को तोड़ रहा

टारगेट पूरे करने के लिए एथलीट्स को परिजनों की हत्या की धमकी

नई दिल्ली/वॉशिंगटन, एजेंसी

एक कॉलेज बास्केटबॉल खिलाड़ी मैच शुरू होने से पहले अपना मोबाइल खोलता है। स्क्रीन पर अजनबी का संदेश दिखता है,'सुनो, यह मजाक नहीं है। अगर तुमने आज 22 पॉइंट्स व 12 बाउंड्स नहीं बनाए, तो तुम्हारे सभी करीबी मार दिए जाएंगे।' यह डरावना संदेश किसी फिल्म की पटकथा नहीं, बल्कि 2024 के एनसीएए (नेशनल कॉलेजिएट एथलेटिक एसोसिएशन) की स्टडी का हिस्सा है। उस खिलाड़ी ने अभी कोर्ट पर कदम भी नहीं रखा था, न ही कोई शॉट मिस किया था। उसका कसूर सिर्फ इतना था कि सट्टेबाजी की दुनिया में उसकी काबिलियत पर 'दांव' लगा था। हालांकि वह मैदान में उतरा और स्वाभाविक खेलने की कोशिश भी की। एक्सपर्ट कहते हैं,हम इस समय 'मार्च मैडनेस' के बीच में हैं- जो अमेरिकी खेलों में सबसे अधिक सट्टेबाजी वाला आयोजन है। अनुमान है कि अकेले इस साल के

टूर्नामेंट पर 25 हजार करोड़ रुपए दांव पर लगे हैं। हार्वर्ड बिजनेस स्कूल की प्रोफेसर और मनोवैज्ञानिक एमी कडी कहती हैं,'आज के एथलीट सिर्फ शारीरिक थकान से नहीं, बल्कि नए मनोवैज्ञानिक खतरे से जूझ रहे हैं, जिसे 'सोशल-इवैल्यूएटिव थ्रेट' (सामाजिक परख का खतरा) कहते हैं। यह वह तनाव है जो दूसरों द्वारा नकारात्मक निर्णय लिए जाने या अपमानित होने के डर से पैदा होता है। 1995 में एक खिलाड़ी को सिर्फ स्टेडियम में मौजूद दर्शकों की हूटिंग सुनाई देती थी। लेकिन आज, एक खिलाड़ी नाश्ते से पहले ही सोशल मीडिया पर सैकड़ों नफरत भरे संदेश पढ़ चुका होता है।

फास्ट न्यूज

आशा भोसले ने तब्बू को तोहफे में दिया गिटार

नई दिल्ली। मशहूर एक्ट्रेस तब्बू इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में इसका ट्रेलर रिलीज हुआ। इस बीच तब्बू अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में आ गई हैं। इसमें वे अपना गिफ्ट फ्लॉन्ट करती दिखी हैं, जो उन्हें दिग्गज गायिका आशा भोसले ने जन्मदिन के मौके पर दिया था। इसके साथ तब्बू ने एक नोट भी लिखा है।

अवॉर्ड शो में राजपाल का अपमान, सपोर्ट में आए सलमान

नई दिल्ली। मुंबई में हुए एक अवॉर्ड फंक्शन के दौरान एक्टर राजपाल यादव पर कसे गए तंज के बाद अब सुपरस्टार सलमान खान उनके समर्थन में उतर आए हैं। सलमान ने सोशल मीडिया के जरिए राजपाल यादव को भरोसा दिलाया कि उनके टैलेंट और अनुभव की वजह से इंडस्ट्री में उन्हें हमेशा काम मिलता रहेगा। सलमान का यह बयान उस वीडियो के वायरल होने के बाद आया है, जिसमें एक जर्नलिस्ट सौरभ द्विवेदी राजपाल यादव के कर्ज और डॉलर के रेट को लेकर मजाक उड़ाते नजर आ रहे हैं। तंज हाल ही में मुंबई में एक अवॉर्ड इवेंट आयोजित किया गया था। इस दौरान जर्नलिस्ट सौरभ द्विवेदी ने राजपाल यादव के कर्ज के मामले पर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि डॉलर का रेट चाहे बढ़े या घटे, आपको उतने ही पैसे लौटाने हैं।

जीमेल यूजर्स अपना ईमेल एड्रेस बदल सकेंगे

नई दिल्ली। गूगल ने जीमेल में नया फीचर लॉन्च किया है। इससे अब आप अपनी ईमेल आईडी का यूजरनेम (@gmail.com से पहले वाला हिस्सा) बदल सकेंगे। कंपनी के मुताबिक, यह आपकी डिजिटल पहचान को अपग्रेड करने का तरीका है। फिलहाल यह अपडेट अमेरिकी यूजर्स के लिए है। यह उन लोगों के लिए बड़ी राहत है, जो अपना 'अजीब' यूजरनेम बदलना चाहते थे।

तमिल एक्ट्रेस सुभाषिनी सुब्रमण्यम का शव मिला

मौत से पहले कॉल पर हुआ था पति से झगड़ा, दो साल पहले हुई थी शादी

मुंबई, एजेंसी

साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस सुभाषिनी सुब्रमण्यम का शव उनके चेन्नई स्थित अपार्टमेंट में मिला है। 36 साल की एक्ट्रेस डिप्रेशन में थीं। रिपोर्ट्स के अनुसार, मौत से कुछ समय पहले ही उनका पति से वीडियो कॉल पर झगड़ा हुआ था। न्यूज 18 की रिपोर्ट के अनुसार, सुभाषिनी, चेन्नई के इयप्पंथंगल इलाके में किराए के फ्लैट में रह रही थीं, जहां उनका शव मिला है। उन्होंने 2 साल पहले 2024 में बिपिन चंद्रन से शादी की थी। कुछ समय से दोनों अलग रह रहे थे। 6 अप्रैल को मौत होने से पहले उन्होंने पित बिपिन को वीडियो कॉल किया था, जिसमें दोनों का झगड़ा हुआ था। पुलिस जांच के अनुसार, झगड़े के बाद ही सुभाषिनी ने आत्महत्या की है, हालांकि अब तक मौत का सटीक कारण और वजह सामने नहीं आ सकी ही। सुभाषिनी सुब्रमण्यम श्रीलंका की रहनेवाली थीं। वो तमिल टीवी इंडस्ट्री में

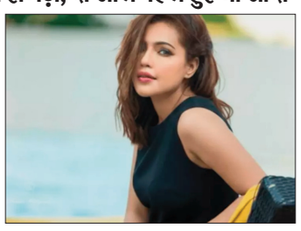

काम मिलने के बाद चेन्नई आकर बस गई थीं। साल 2012 में फिल्म इनी अवन से करियर की शुरुआत करने के बाद वह कई टीवी शोज और फिल्मों में नजर आ चुकी थीं। उन्हें सबसे ज्यादा पहचान टीवी शो कायल में दीपिका का किरदार निभाने पर मिली थी। इसके अलावा वो इल्लाम मेला इरुकुरवन पाथुप्पन और वेब जैसी कई फिल्मों का हिस्सा रही हैं। एक्ट्रेस के इंस्टाग्राम में करीब साढ़े 4 लाख फॉलोअर्स हैं। उन्होंने 2 दिन पहले आखिरी पोस्ट की थी, जिसमें उन्होंने जिंदगी के सार का जिक्र किया था।

पेश न होने पर महिला आयोग भड़का, संजय दत्त को भी 8 अप्रैल को पेश होने का समन

अश्लील गाने के विवाद में नोरा की मुश्किल बढ़ी

मुंबई, एजेंसी

केडीः द डेविल के गाने 'सरके चुनर तेरी' विवाद में सफाई के बावजूद नोरा फतेही की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। 6 अप्रैल को राष्ट्रीय महिला आयोग की सुनवाई में वह पेश नहीं हुईं, जिस पर आयोग ने नाराज होकर उन्हें आखिरी मौका दिया। न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, 6 अप्रैल को राष्ट्रीय महिला आयोग की सुनवाई में सरके चुनरिया तेरी के लिरिसिस्ट रकीब आलम, फिल्म केडीःद डेविल के डायरेक्टर प्रेम और केवीएन प्रोडक्शन के रीप्रेसेंटेटिव गौतम के.एम और सुप्रिथ पेश हुए थे।

इस सुनवाई की अध्यक्षता आयोग

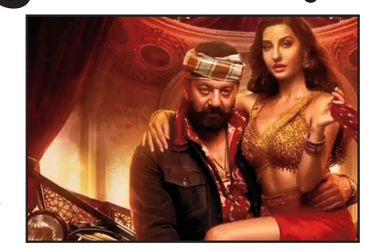

नोरा फतेही दे चुकी हैं सफाई

अश्लील गाने पर विवाद बढ़ने के बाद एक्ट्रेस ने बयान जारी कर सफाई दी थी। उन्होंने कहा है कि उनसे कन्नड़ में गलत ट्रांसलेशन बताकर पूरा गाना शूट करवाया गया और फिर बिना अप्रूवल या परमिशन गाने को हिंदी में बना लिया।

उन्होंने कहा कि मेकर्स ने लिरिकल गाने को बिना इजाजत लिए उनकी AI इमेज के साथ रिलीज किया।

अश्लील गाने के विवाद पर संजय दत्त को भी समन

आयोग ने संजय दत्त को भी समन भेजकर 8 अप्रैल को होने वाली सुनवाई में पेश होने का आदेश दिया है। उनके अलावा नोरा फतेही की गैरमौजूदगी पर भड़कर आयोग ने उन्हें 27 अप्रैल को पेश होने का आखिरी मौका दिया है।

"एक्ट्रेस ने ये भी माना कि गाना वाकई अनुचित है, लेकिन इसकी जानकारी उन्हें सॉन्ग लॉन्च इवेंट में पहुंचकर मिलीं। हिंदी गाना देखकर एक्ट्रेस खुद शॉक में थीं। पैन इंडिया फिल्म केडीः द डेविल, 30 अप्रैल 2026 को रिलीज होने वाली है। 14 मार्च को इस फिल्म का गाना सरके चुनर तेरी कई भाषाओं में रिलीज हुआ। ये गाना नोरा फतेही और संजय दत्त पर फिल्माया गया था। गाने के अश्लील और डबल मीनिंग बोल। इसके अलावा गाने में दिखाए गए डांस स्टेप्स और पिक्चराइजेशन भी काफी आपत्तिजनक थे।"

ईरान को रातभर में खत्म कर सकते हैं : ट्रम्प

घायल पायलट की खबर लीक करने वाले पत्रकार की तलाश, उसे जेल भेजेंगे

तेल अवीव/वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान जंग पर सोमवार रात (भारतीय समय के मुताबिक) प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि ईरान के खिलाफ अमेरिका की जंग अच्छी चल रही है। अमेरिका चाहे तो पूरे ईरान को एक रात में खत्म कर सकता है। जरूरत पड़ी तो वह रात कल भी हो सकती है। ट्रम्प ने यहां तक कहा, "हमारे पास ऐसी प्लानिंग है कि कल रात 12 बजे तक (भारतीय समय के मुताबिक बुधवार सुबह 5:30 बजे) ईरान का हर पुल तोड़ दिया जाएगा और हर पावर प्लांट जला दिया जाएगा। पूरी तरह तबाही होगी।" अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान से सुरक्षित निकाले गए पायलट का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी एजेंसियां उस शख्स की तलाश कर रही हैं, जिसने यह जानकारी लीक की कि पहले पायलट के बचाव के बाद दूसरा पायलट भी ईरान में फंसा हुआ है। ट्रम्प के मुताबिक पहले ईरान को दूसरे पायलट के ईरान में फंसे होने की जानकारी

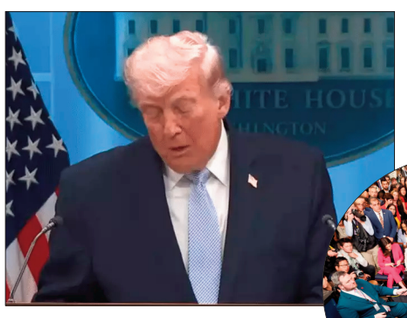

नहीं थी, लेकिन खबर लीक होने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन और मुश्किल हो गया। उन्होंने कहा, 'यह बहुत जोखिम भरा फैसला था, क्योंकि हमने 1-2 पायलट को निकालने के लिए 100 जान को दांव पर लगा दिया था।' ट्रम्प ने इसे हाल के दशकों में सबसे खतरनाक ऑपरेशनों में से एक बताया। ट्रम्प ने यह भी बताया कि दोनों पायलट को बचाने के लिए दो रेस्क्यू मिशन किए गए। पहले मिशन में 21 अमेरिकी सैन्य विमान लगाए गए थे। जबकि दूसरे रेस्क्यू मिशन में कुल 155 अमेरिकी विमान शामिल थे। इनमें 4 बॉम्बर विमान, 64 फाइटर जेट, 48 ईंधन भरने वाले टैंकर विमान और 13 रेस्क्यू विमान शामिल थे। ट्रम्प के मुताबिक ये सभी कई घंटों तक ईरान के ऊपर ऑपरेशन करते रहे, कुछ समय तो दिन के उजाले में भी। इस मिशन में धोखे की रणनीति (डिकॉय) का भी इस्तेमाल किया गया। कई विमानों को अलग-अलग रास्तों पर भेजा गया ताकि दुश्मन भ्रमित हो जाए। ट्रम्प ने कहा, 'हमने सात अलग-अलग जगहों पर ऐसा माहौल बनाया, जहां उन्हें लगा कि हम अपने सैनिक को ढूंढ रहे हैं।

ट्रम्प के प्रेस कॉन्फ्रेंस की 5 बड़ी बातें...

- ईरान को धमकी- अमेरिका चाहे तो पूरे ईरान को एक रात में खत्म कर सकता है। जरूरत पड़ी तो यह कार्रवाई कल रात भी हो सकती है। अभी युद्ध अमेरिका के मुताबिक चल रहा है।
- रेस्क्यू ऑपरेशन- ईरान में फंसे सैनिक को बचाने के लिए अमेरिका ने 155 सैन्य विमानों के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया था। इसमें फाइटर जेट, बॉम्बर्स और रेस्क्यू प्लेन शामिल थे।
- ईरान में हजारों हमले किए- अब तक अमेरिका ने ईरान के 13,000 से ज्यादा ठिकानों पर हमला किया है और पिछले 37 दिनों में 10,000 से ज्यादा लड़ाकू उड़ानें भरी हैं।
- खबर लीक करने वाले को धमकी- जिस इंसान ने मीडिया में ईरान में फंसे दूसरे पायलट के बारे में खबर लीक की है उसे ढूंढा जाएगा। जरूरत पड़ी तो मीडिया कंपनी पर भी कार्रवाई हो सकती है।
- अमेरिकी विमान गिरने की बात मानी- ट्रम्प ने माना कि ईरान ने एक अमेरिकी F-15 विमान गिराया था, लेकिन यह दुश्मन की किस्मत थी यानी ये सिर्फ एक लकी हिट थी।

ट्रम्प ने ईरान में फंसे अमेरिकी पायलट को बचाने वाले ऑपरेशन को 'ऐतिहासिक' बताया। उन्होंने कहा, "मैंने अमेरिकी सेना को आदेश दिया था कि हमारे बहादुर सैनिकों को सुरक्षित घर लाने के लिए जो भी जरूरी हो, वह किया जाए।"

सील टीम-6 ने पहाड़ों से अमेरिकी पायलट को बचाया

ईरान में 300 किमी घुसकर ऑपरेशन को अंजाम दिया

वॉशिंगटन /तेहरान, एजेंसी

अमेरिका ने ईरान में लापता दोनों पायलट्स को 36 घंटे के भीतर रेस्क्यू कर लिया। ईरान में 3 अप्रैल को एक ऑपरेशन पर गए F-15E फाइटर जेट्स पर हमला हुआ था। विमान के क्रैश होने से पहले दोनों पायलट्स पैराशूट की मदद से इजेक्ट हो गए थे। इसमें से एक पायलट को अमेरिकी सेना ने कुछ ही घंटे बाद ढूंढ़ लिया जबकि दूसरे के लिए एक बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। इसकी सफलता की तारीफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी की। उन्होंने इसे देश के इतिहास का सबसे खतरनाक रेस्क्यू मिशन बताया। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि अमेरिकी नेवी की स्पेशल यूनिट 'सील टीम-6' ने इसे अंजाम दिया। यह वही स्पेशल फोर्स है जिसने 2011 में आतंकी ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान के एबटाबाद में घुसकर मारा था। ईरान के साथ संघर्ष के बीच यह

2026 का पहला कन्फर्म्ड अमेरिकी ग्राउंड ऑपरेशन माना जा रहा है। एक सैनिक को बचाने के लिए बड़े स्तर पर सैन्य ताकत का इस्तेमाल हुआ, जो इसकी अहमियत दिखाता है। मिशन को सफल बनाने के लिए अमेरिका ने कई लेयर में रणनीति बनाई। पहले, इजराइली खुफिया एजेंसी ने ईरानी सेना की मूवमेंट ट्रैक की। फिर हवाई हमले 36 घंटे के लिए रोके गए ताकि रेस्क्यू टीम आगे बढ़ सके। इसके बाद CIA ने फर्जी जानकारी फैलाई कि ऑफिसर सड़क से भाग निकला है। ऊपर अमेरिकी फाइटर जेट्स निगरानी कर रहे थे, जबकि जमीन पर कमांडो आगे बढ़ रहे थे।

गिरावट : चांदी की कीमत ₹3 हजार कम होकर ₹ 2.31 लाख हुई, देखें अपने शहर में सोने के दाम

सोना ₹2 हजार गिरकर ₹1.47 लाख पर आया

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 7 अप्रैल को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2 हजार रुपए घटकर 1.47 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले यह 1.49 लाख रुपए पर था। वहीं, एक किलो चांदी 3 हजार रुपए घटकर 2.31 लाख रुपए रह गई। साल की शुरुआत में सोने में तेजी थी, लेकिन हाल के हफ्तों में मुनाफावसूली और ईरान जंग से गिरावट आई है। चांदी में सोने के मुकाबले ज्यादा उतार-चढ़ाव रहा और यह ऑल टाइम हाई से तेजी से नीचे आई है। गिरावट का आंकड़ाः चांदी ऑल टाइम हाई से 1.54 लाख सस्ती हो चुकी है। हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस

तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है। सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

असली चांदी की पहचान करने के 4 तरीके

मैग्नेट टेस्टः असली सिल्वर चुंबक से नहीं चिपकती। अगर चिपक जाए तो फेक है।

आइस टेस्टः सिल्वर पर बर्फ रखें। असली सिल्वर पर बर्फ तेजी से पिघलती है।

स्मेल टेस्टः असली सिल्वर में गंध नहीं होती। फेक में कॉपर जैसी गंध आती है।

क्लॉथ टेस्टः चांदी को सफेद कपड़े से रगड़ें। अगर काला निशान आए तो असली है।

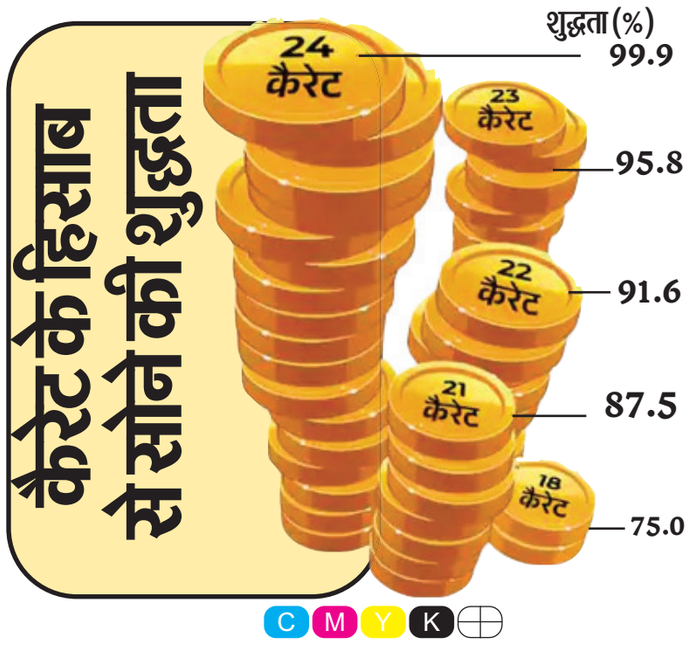

एअर इंडिया सीईओ कैंपबेल विल्सन ने दिया इस्तीफा

अहमदाबाद प्लेन क्रैश की रिपोर्ट आने के बाद पद छोड़ेंगे, सितंबर 2027 तक कार्यकाल था

नई दिल्ली, एजेंसी

एअर इंडिया के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (CEO) कैंपबेल विल्सन ने इस्तीफा दे दिया है। न्यूज एजेंसी ANI ने मंगलवार को सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी। कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि एयर इंडिया ने नए CEO की तलाश भी शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार, विल्सन सितंबर में अपना पद छोड़ सकते हैं। पिछले हफ्ते हुई कंपनी की बोर्ड बैठक में उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। विल्सन को 2022 में एअर इंडिया का CEO और प्रबंध निदेशक (MD) नियुक्त किया गया था। उनका कॉन्ट्रैक्ट 5 सालों के लिए, जुलाई 2027 तक था। रिपोर्ट्स के अनुसार, एयरलाइन अहमदाबाद प्लेन क्रैश की फाइनल जांच रिपोर्ट आने के बाद नए CEO की नियुक्ति करेगी। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन

ब्यूरो (AAIB) ने 12 जुलाई 2025 को हादसे की प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की थी। अंतिम रिपोर्ट जून 2026 में आ सकती है। विल्सन के इस्तीफे पर एअर इंडिया ने कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि एअर इंडिया नए CEO के लिए संभावित उम्मीदवारों के साथ हाई लेवल बातचीत कर रही है। इस संबंध में अगले हफ्ते एक अहम बैठक भी होने वाली है। दावे के मुताबिक, कंपनी ने नए CEO की तलाश जनवरी में ही शुरू कर दी थी, जब विल्सन ने कॉन्ट्रैक्ट खत्म होने के बाद पद छोड़ने के संकेत दिए थे। विल्सन के पास विमानन क्षेत्र में 30 साल से ज्यादा का अनुभव है और उन्होंने फुल-सर्विस और लो-कॉस्ट दोनों तरह की एयरलाइनों में काम किया है। एअर इंडिया से जुड़ने से पहले विल्सन लो कॉस्ट एयरलाइन स्कूट (Scoot) के CEO थे। यह कंपनी सिंगापुर एयरलाइंस की लो-कॉस्ट सहायक कंपनी है। विल्सन ने न्यूजीलैंड में कैंटरबरी यूनिवर्सिटी से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर ऑफ कॉमर्स (फर्स्ट क्लास ऑनर्स) किया है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1996 में न्यूजीलैंड में सिंगापुर एयरलाइंस के साथ मैनेजमेंट ट्रेनी के रूप में की थी। इसके बाद उन्होंने कनाडा, हॉन्ग कॉन्ग और जापान में SIA के लिए काम किया।

49 बस स्टेशनों का पीपीपी मॉडल पर होगा विकास

यात्रियों को मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं, नरौरा, तुलसीपुर और सिकंद्राराऊ में मुफ्त जमीन पर बनेंगे नए बस स्टेशन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में परिवहन सुविधाओं को आधुनिक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए राज्य सरकार ने 49 बस स्टेशनों के विकास को मंजूरी दे दी है। Dayashankar Singh ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में परिवहन निगम के तीन महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई है। यह परियोजना यूपीएसआरटीसी के PPP मॉडल के दूसरे चरण के तहत लागू की जाएगी। प्रस्तावित बस स्टेशनों पर यात्रियों को अत्याधुनिक सुविधाएं जैसे शॉपिंग मॉल, सिनेमाघर, फूड कोर्ट और बेहतर प्रतीक्षालय उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे बस स्टेशनों को केवल यातायात केंद्र ही नहीं, बल्कि व्यावसायिक हब के रूप में भी विकसित किया जाएगा। परिवहन मंत्री के अनुसार, इन बस स्टेशनों को आर्थिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित किया

जाएगा, जहां दुकानें, फूड कोर्ट और अन्य व्यावसायिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे एक ओर जहां यात्रियों को सुलभ, सुरक्षित और किफायती परिवहन सुविधा मिलेगी, वहीं दूसरी ओर स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। साथ ही, इन व्यावसायिक गतिविधियों के जरिए परिवहन निगम के राजस्व में भी वृद्धि होने की उम्मीद है। सरकार का मानना है कि यह पहल राज्य के परिवहन ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ आर्थिक विकास को भी गति देगी।

निवेशकों के लिए शर्तों में ढील

सरकार ने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कई अहम बदलाव किए हैं। तकनीकी क्षमता की शर्त को 150 प्रतिशत से घटाकर 100 प्रतिशत कर दिया गया है। वहीं पात्र परियोजनाओं में निवेश के अनुभव की समय सीमा 5 वर्ष से बढ़ाकर 8 वर्ष कर दी गई है।

इसके अलावा, सभी प्रस्तावित स्थलों पर 2.5 का समान फ्लोर एरिया रेशियो (FAR) और ग्राउंड कवरेज की निःशुल्क अनुमति भी दी जाएगी।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि लीज अवधि समाप्त होने के बाद यदि डेवलपर स्वामित्व वापस नहीं करता है, तो भूमि का स्वामित्व स्वतः ही परिवहन निगम को प्राप्त हो जाएगा।

मंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) के तहत सार्वजनिक-निजी सहभागिता (पीपीपी) मॉडल पर 49 बस स्टेशनों को विकसित किया जाएगा। इन परियोजनाओं को डिबीएफओटी (डिजाइन, निर्माण, वित्तपोषण, संचालन और हस्तांतरण) मॉडल पर लागू किया जाएगा, जिससे निजी निवेशकों की भागीदारी बढ़ेगी और बस स्टेशनों को आधुनिक रूप दिया जा सकेगा।

तीन जिलों में मुफ्त भूमि हस्तांतरण को मंजूरी

कैबिनेट ने तीन महत्वपूर्ण स्थानों पर बस स्टेशन निर्माण के लिए निःशुल्क भूमि उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। इसके तहतःबुलंदशहर के नरौरा में सिंचाई विभाग की 1.12 हेक्टेयर भूमि परिवहन विभाग को दी जाएगी। बलरामपुर की तुलसीपुर तहसील में लोक निर्माण विभाग की 2 हेक्टेयर भूमि हस्तांतरित की जाएगी, जहां देवीपाटन मंदिर के पास लंबे समय से बस स्टेशन की मांग थी। हाथरस के सिकंद्राराऊ क्षेत्र में ग्राम रतनपुर-हुसैनपुर की 10.012 हेक्टेयर भूमि भी परिवहन विभाग को निःशुल्क दी जाएगी।

इलेक्ट्रॉनिक गोदाम में लगी भीषण आग

फायर ब्रिगेड की 4 गाड़ियां पहुंचीं, 40 मिनट तक बुझाते रहे

तमसा संकेत, एजेसी

लखनऊ। लखनऊ के नाका थाना क्षेत्र में बाजार के अंदर मंगलवार सुबह अचानक आग लग गई। इलेक्ट्रॉनिक सामान के दो गोदामों से जोरदार धुआं निकलने लगा। लोगों ने यह देख पहले डायल-112 फिर फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना के बाद हजरतगंज और आलमबाग फायर स्टेशन से 2-2 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने आग बुझानी शुरू की। काफी देर तक बाहर से ही फायर टेंडर चलाए। जब धुआं कम हुआ तो शटर तोड़कर आग बुझाई। इस पूरे एक्शन में 40 मिनट से ज्यादा समय लगा। महिमा इलेक्ट्रॉनिक नाम का गोदाम सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। गोदामों के अंदर रखे सामान पूरी तरह जलकर खाक हो गए। एफएसओ राम कुमार राठव ने बताया कि आग सूचना कंट्रोल रूम से मिली थी। मौके पर पहुंचे तो देखा कि

- फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने टिनशेड को बड़ी कैंचियों से काटा।

आग ज्यादा बड़ी थी तो अतिरिक्त गाड़ियां बुलानी पड़ीं। दुकान का शटर बंद था। ऐसे में आग बुझाने में मशक्कत करनी पड़ी। बाद में शटर को तोड़कर आग पर काबू पाया गया। एफएसओ राम कुमार राठव ने बताया कि आग सूचना कंट्रोल रूम से मिली थी।

फास्ट न्यूज

हरिद्वार रेलवे स्टेशन में बच्ची से रेप की कोशिश

हरिद्वार। हरिद्वार रेलवे स्टेशन के टिकट घर स्थित महिला शौचालय में साढे चार साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया गया। बच्ची की चीख-पुकार से मौके पर हड़कंप मच गया, जिसके बाद आसपास मौजूद लोगों ने शौचालय का दरवाजा तोड़ा और बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाला। इस बीच आरोपी भीड़ का फायदा उठाकर चकमा देकर भाग निकला, लेकिन जीआरपी पुलिस ने घेराबंदी कर 14 घंटे के अंदर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

तीन किडनैपर्स की एक्सीडेंट में मौत

बरेली। कहते हैं 'जाको राखे साइयां, मार सके न कोय'। यह कहावत बरेली में उस वक्त सच साबित हुई जब गुड़गांव से अगवा किए गए दो मासूमों की जान बाल-बाल बच गई, जबकि उन्हें ले जा रहे तीन किडनैपर्स की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए, लेकिन कुदरत का करिश्मा देखिए कि दोनों बच्चे सुरक्षित हैं। पुलिस ने बच्चों के पिता को भी बदमाशों के चंगुल से सकुशल मुक्त करा लिया है। रविवार दोपहर करीब 3 बजे मनमोहन अपने साथियों के साथ दोनों बच्चों को दूसरी जगह शिफ्ट करने या ठिकाने लगाने के लिए बोलेरो से निकला था। तभी सीबीगंज इलाके में सड़क किनारे खड़े एक टैंकर से उनकी तेज रफ्तार बोलेरो टकरा गई। इस हादसे में मुख्य आरोपी मनमोहन, उसके साथी विशेष यादव और सिकंदर की मौके पर ही मौत हो गई।

पीयू को भारत सरकार से मिला प्रशस्ति-पत्र

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर को भारत सरकार के नेशनल इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी अवेयरनेस मिशन (NIPAM) के तहत उत्कृष्ट कार्य के लिए 'प्रशस्ति-पत्र' प्रदान किया गया है। यह सम्मान विश्वविद्यालय द्वारा 26 फरवरी 2026 को बौद्धिक संपदा अधिकारों पर आयोजित सफल जागरूकता कार्यक्रम और इसमें सक्रिय भागीदारी के लिए दिया गया है।

दो महीन में दूसरी बार आत्महत्या करने पहुंची महिला

लखनऊ में लोकभवन के बाहर पुलिस ने पकड़ा, जमीन विवाद से है परेशान

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में एक महिला ने अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आत्मदाह करने का प्रयास किया। मौके पर तैनात आत्मदाह दस्ते ने महिला को आग लगाने से पहले ही काबू में कर लिया। घटना मंगलवार दोपहर हजरतगंज स्थित लोकभवन के गेट पर हुई। महीने ने इससे पहले 27 फरवरी को भी आत्महत्या का प्रयास किया था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला अचानक लोकभवन के गेट के पास पहुंची। अपने ऊपर पेट्रोल डाल लिया। इससे पहले कि वह आग लगा पाती, ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़ लिया। उसे थाने ले गए। आत्मदाह निरोधक दस्ता ने महिला को खुद को आग लगाने से पहले ही पकड़ लिया। महिला की पहचान संध्या सिंह के रूप में हुई है। वह मानकनगर के न्यू श्रीनगर की रहने वाली है। संध्या का मानक नगर क्षेत्र में जमीनी विवाद चल रहा है। संध्या ने बताया कि उनके मकान संख्या 559 ख/365 से संबंधित भूमि का

रकबा 2 बिस्वा है। इसकी पैमाइश भी कराई गई थी, लेकिन घनी आबादी होने के कारण जमीन को मौके पर स्पष्ट रूप से चिह्नित नहीं किया जा सका। लेखपाल ने बताया कि उनकी भूमि का रकबा कम है और बगल के रहने वाले इकबाल सिंह ने उनके हिस्से की जमीन पर कब्जा कर लिया है। संध्या ने इकबाल सिंह से बात की तो वह झगड़े पर आमादा हो गया। गाली-गलौज की। पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। इससे संध्या और उनका परिवार भयभीत है। पीड़िता संध्या सिंह ने कहा-पड़ोसी ने उनकी जमीन पर कब्जा कर लिया है। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देता है।

वाराणसी टकसाल सिनेमा शूटआउट में धनंजय सिंह से जिरह

वाराणसी। वाराणसी में 24 साल पहले टकसाल सिनेमा के पास पूर्व सांसद धनंजय सिंह पर हुए जानलेवा हमले के केस में ट्रायल तेज हो गया है। मंगलवार को विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए कोर्ट) यजुवेंद्र विक्रम सिंह कोर्ट में पूर्व सांसद धनंजय सिंह पेश हुए। विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए) यजुवेंद्र विक्रम सिंह की अदालत में आरोपी विधायक अभय सिंह की ओर से अधिवक्ताओं ने बहस की। पूर्व सांसद ने धारा 311 के तहत कोर्ट में प्रार्थना पत्र दाखिल किया, इसमें बचाव पक्ष के गवाहों और सबूतों पर सवाल उठाए हैं। धनंजय सिंह ने अभय सिंह के गवाहों से फिर जिरह की बात कही और कोर्ट में न्याय की गुहार लगाई है। । इससे पहले कोर्ट ने धनंजय का अप्लीकेशन स्वीकार कर लिया है और कोर्ट ने अगली तारीख 11 मार्च तय की है। बता दें कि सबसे पहले प्ली ऑफ एलीबाई से जुड़े गवाह तलब किए गए थे। विगत सप्ताह डॉ. अरविंद कुमार सिंह और फार्मासिस्ट सुभाकर यादव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए थे।

सड़क किनारे मिला युवक का शव

काम से नहीं लौटा, रातभर ढूंढ़ा, परिजन बोले- दोस्तों ने हत्या कर फेंका

तमसा संकेत, एजेसी

लखनऊ। लखनऊ में सड़क किनारे एक 22 साल के युवक का शव मिला। वह सोमवार को काम पर गया था। जब घर नहीं लौटा तो घरवालों ने उसे रातभर ढूंढ़ा। मंगलवार सुबह उसके मौत की सूचना मिलते ही शव देखने परिजन पहुंचे। मौके पर परिजनों ने मृतक के दोस्तों पर हत्या का आरोप लगाया। उनका कहना है कि दोस्तों ने ही हत्या कर शव को फेंक दिया है। वहीं, पुलिस का कहना है कि डेडबॉडी पर चोट के निशान नहीं थे। पोस्टमॉर्टम के बाद मौत की सही वजह पता चल जाएगी। घटना सोमवार शाम से मंगलवार सुबह के बीच की है। युवक की डेडबॉडी निगोहां कस्बे से निगोहां गांव जाने वाली सड़क के किनारे मंगलवार सुबह 6:15 बजे लोगों को दिखी। उसकी पहचान नंदौली गांव के बेटे रैंकिश के रूप में हुई। उसके साथ काम पर जाने वाले दोस्तों ने ही उसे

मृतक रैंकिश

मारकर फेंक दिया है। थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी ने बताया- पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल, पुलिस सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है। शव पर किसी भी तरह की चोट के बाहरी चोट के निशान नहीं मिले हैं।

भाई ने कहा- शाम से ही ढूंढ़ने लगे थे, दोस्तों ने मार डाला

मृतक के बड़े भाई लवकुश ने बताया- रैंकिश सोमवार सुबह ब्रह्मदासपुर के राजमिस्त्री नंदकिशोर और अपने साथी रामराज के साथ किसी घर के निर्माण में लखनऊ शहर गया था। देर शाम तक घर न लौटने पर हम लोगों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन रातभर उसका कोई सुराग नहीं मिला। सुबह भी उसका कोई पता नहीं चला था। गांव के लोगों ने सूचना दी कि निगोहां कस्बे से निगोहां गांव जाने वाली सड़क किनारे एक शव पड़ा है। जब वहां पहुंचे तो पुलिस पहुंच चुकी थी। जब हमने शव देखा तो वह रैंकिश का ही था।

युवक की मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

पुलिस कर रही जांच, पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा

थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी ने बताया- पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

थ्रेसर में फंसकर 10वीं के छात्र की मौत

गेहूं की मड़ाई करते हाथ फंसा और सिर के साथ अंदर चला गया

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में गेहूं की मड़ाई करते समय थ्रेसर मशीन की चपेट में आकर 10वीं के छात्र मौत हो गई। मड़ाई करते समय छात्र का पहले हाथ फंसा और फिर उसका सिर अंदर घुस गया। इससे उसका सिर और कमर तक की बॉडी कट गई। जबकि दोनों पैर बाहर निकले रहे। ये देखकर आसपास काम कर रहे लोगे दौड़े और थ्रेसर मशीन को बंद किया। हादसे में राजकुमार के बेटे 18 साल के सुमित कुमार की मौत हुई है।

घटना बहरिया थाना क्षेत्र के मजूरा गांव की है। बहरिया थाना क्षेत्र के मजूरा गांव में राजकुमार अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनका बेटा सुमित कुमार (18) साल 10वीं क्लास में पढ़ाई करता था। साथ ही गांव में दूसरे के खेतों में काम करता था। मंगलवार दोपहर 1 बजे गांव के रोहित यादव के खेत में थ्रेसर ट्रैक्टर लगा था। बारिश और मौसम को देखते हुए रोहित अपने गेहू की मड़ाई करवा रहे थे। आसपास

- 10वीं के छात्र की कमर के ऊपर की बॉडी थ्रेसर मशीन में चली गई।
- थ्रेसर मशीन में छात्र की बॉडी जाने के बाद आसपास के लोग दौड़े और मशीन बंद किया।

के खेतों में लोग काम कर रहे थे। वहीं सुमित भी थ्रेसर में गेहू की मड़ाई कर रहा था। उसने गेहू का बोझा थ्रेसर मशीन में भी उसका एक हाथ उसमें फंस गया। लेकिन मशीन तेजी से चलती रही। बहरिया थाना क्षेत्र के मजूरा गांव में राजकुमार अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनका बेटा सुमित कुमार (18) साल 10वीं क्लास में पढ़ाई करता था। साथ ही गांव में दूसरे के खेतों में काम करता था। मंगलवार दोपहर 1 बजे गांव के रोहित यादव के खेत में थ्रेसर ट्रैक्टर लगा था। बारिश और मौसम को देखते हुए रोहित अपने गेहू की मड़ाई करवा रहे थे। उसने अपने को बचाने की कोशिश की तो उसका दूसरा हाथ भी फंस गया। 30 सेकेंड में ही उसका सिर भी अंदर की ओर चला गया।

थोड़ी ही देर में उसका सिर धड़ से अलग हो गया। और भूसे के साथ खून के छींटे निकलने लगे आसपास के लोग ये देखकर दौड़े और थ्रेसर मशीन को बंद किया। जब तक मशीन रूकती तब तक उसका पैर ही मशीन के ऊपर बच पाया। सुमित दो भाई था।

बड़े भाई का नाम वैभव है। वह दिल्ली में प्राइवेट नौकरी करता है। जबकि सुमित ने इस साल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोला सिंह से हाईस्कूल की परीक्षा दी है।

कार्यक्रम : संत भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए काम करें, वृंदावन में संत के पैर छुए

संघ डंडा लेकर दरवाजे पर खड़ा रहेगा : भागवत

- मंच पर संत रसिक माधव दास ने मोहन भागवत को शाल ओढ़ाकर स्वागत किया।
- योग गुरु बाबा रामदेव भी संत मलूक दास की जयंती में पहुंचे। उन्होंने संत की समाधि के दर्शन-पूजन किए।

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। संत मलूक दास की आज 452वीं जयंती है। वृंदावन के मलूक पीठ में उनका जन्मोत्सव कार्यक्रम मनाया जा रहा है। इसमें RSS प्रमुख मोहन भागवत पहुंचे। मंच पर संत रसिक माधव दास ने मोहन भागवत को शाल ओढ़ाकर स्वागत किया। भागवत ने हाथ जोड़कर अभिवादन स्वीकार किया और पैर छूकर आशीर्वाद लिया। संघ प्रमुख ने कहा- समाज को गो-भक्त बनाया जाए, तो गो-हत्या अपने आप रुक जाएगी। जो लोग आज सत्ता में हैं, उनके मन में भी यह

बात है। वे करना चाहते हैं, लेकिन कई तरह की दिक्कतें सामने आती हैं। ऐसे में साहसी कदम उठाने के लिए समाज का साथ जरूरी है। गो-जागृति को मजबूत करना होगा। जब जनभावना तैयार हो जाएगी, तो व्यवस्था को भी उसे मानना पड़ेगा। उन्होंने कहा अब समय आ गया है कि भारत विश्व गुरु बनकर दुनिया को एक सुंदर अनुभव कराए। संत और संघ मिलकर काम करेंगे। संत अपना कार्य करेंगे और हम डंडा लेकर दरवाजे पर खड़े रहेंगे। यही हमारी ड्यूटी है। सीएम योगी दोपहर ढाई बजे पहुंचेंगे। हालांकि, उनकी मोहन भागवत से मुलाकात नहीं होगी, क्योंकि तब तक संघ प्रमुख कार्यक्रम से जा चुके होंगे। कृष्ण भक्त संत मलूक दास का जन्म कौशांबी में खत्री परिवार में हुआ था, लेकिन उन्होंने अपनी साधना स्थली वृंदावन को बनाया। यहां उन्होंने यमुना किनारे वंशीवट पर अपनी कुटिया बनाई, जिसे मलूक पीठ के नाम से जाना जाता है। संत का गोलोक गमन (मृत्यु) वृंदावन में हुआ, जहां उनकी समाधि बनी हुई है। संत मलूक दास का अजगर करे न चाकरी, पंछी करे न काम, दास मलूका कह गए, सबके दाता राम दोहा सबसे मशहूर हुआ। इसका अर्थ है कि अजगर किसी की नौकरी नहीं करता, पक्षी काम नहीं करता, लेकिन भगवान पर विश्वास हो तो राम जी सबका भला करते हैं।

संघ प्रमुख ने सूर्य से जुड़ा हुआ किस्सा सुनाया

संघ प्रमुख ने कहा- सूरज (सूर्य) ने सोचा कि छुट्टी पर जाएंगे। वह दिन-रात काम करते हैं, कभी छुट्टी नहीं लेते। उन्होंने सभी देवताओं को बुलाया और कहा- भाई, मैं छुट्टी पर जा रहा हूं। मेरा चार्ज कौन लेगा? इस पर चंद्रमा का नाम आया। चंद्रमा ने कहा- महाराज, आप नहीं रहेंगे तो अमावस्या हो जाएगी, मैं आपका चार्ज नहीं ले सकता। और भी लोग थे, लेकिन कोई तैयार नहीं हुआ। इसके बाद सूरज ने प्रकाश और दूर के तारे का नाम लिया। उन्होंने कहा- मैं इतना दूर रहता हूं, मैं प्रकाश नहीं दे सकता। कोई भी सूरज का चार्ज लेने को तैयार नहीं था। आखिर में एक दीप खड़ा हुआ और बोला- मुझे नहीं पता कि मैं आपका चार्ज ले सकता हूं या नहीं। मुझे यह असंभव लगता है, लेकिन मैं आपको एक वचन देता हूं। जब तक मेरा तेल और बाती कायम है, तब तक मैं जलता रहूंगा।

पृष्ठ 01 का शेष...

एअर इंडिया की ...

जो तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण वसूली जाती है। यह चार्ज एयरलाइंस को ईंधन के बढ़ते खर्चों से निपटने में मदद करता है। इसे कंपनियां टिकट के साथ जोड़ देती हैं। एयर इंडिया ने घरेलू उड़ानों के लिए एक फ्लैट सरचार्ज व्यवस्था को खत्म कर दिया है। अब यात्रियों को दूरी के आधार पर पैसे देने होंगे। सरचार्ज 299 रुपए से शुरू होकर 899 रुपए तक जाएगा। यह नियम एयर इंडिया के साथ-साथ एयर इंडिया एक्सप्रेस पर भी लागू होगा। विदेशी रूट्स पर भी फ्यूल सरचार्ज बढ़ाया गया है। सार्क देशों के लिए यह चार्ज 24 डॉलर से शुरू होगा। वहीं, अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे लंबी दूरी के रूट्स के लिए यात्रियों को 280 डॉलर यानी करीब 23,000 ज्यादा चुकाने होंगे। कंपनी का कहना है कि विमान ईंधन की लागत सिर्फ कच्चे तेल की वजह से नहीं, बल्कि रिफाइनिंग मार्जिन बढ़ने के कारण भी बढ़ी है। एयर-लाइन ने कहा कि कंपनी अभी भी इस बोझ का एक हिस्सा खुद वहन कर रही है। पूरा बोझ यात्रियों पर नहीं डाल रहे हैं। एयरलाइन बाजार की स्थितियों के आधार पर समय-समय पर इन दरों की समीक्षा करेगी। जेट फ्यूल की कीमतें बढ़ने के चलते दुनियाभर की एयरलाइंस ने न सिर्फ टिकट के दाम बढ़ा दिए हैं, बल्कि अपने भविष्य के वित्तीय अनुमानों यानी फाइनेंशियल आउटलुक को भी वापस लिया है। एयरलाइंस के लिए जेट फ्यूल सबसे बड़ा खर्च होता है। कुल ऑपरेटिंग खर्च में इसकी हिस्सेदारी 30% से 40% होती है।

शिक्षामित्रों का ...

उनके लिए 119.65 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय भार भी राज्य सरकार वहन करेगी। संदीप सिंह ने बताया कि प्रदेश के 13,769 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में वर्तमान में 24,717 अंशकालिक अनुदेशक कार्यरत हैं। मानदेय वृद्धि के निर्णय से इनको भी बड़ी राहत मिलेगी। इस पर 217.50 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय भार प्रदेश सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह निर्णय न केवल शिक्षामित्रों व अंशकालिक अनुदेशकों के जीवन स्तर में सुधार लाएगा, बल्कि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाएगा। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने बताया कि योजना के तहत स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, तकनीकी शिक्षा, स्वास्थ्य शिक्षा, आइटीआइ और कौशल विकास कार्यक्रमों से जुड़े छात्रों एवं प्रशिक्षुओं को टैबलेट निःशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे युवा न केवल अपनी पढ़ाई को अधिक प्रभावी ढंग से पूरा कर सकेंगे, बल्कि आगे चलकर रोजगार, स्वरोजगार और विभिन्न सरकारी व गैर-सरकारी योजनाओं में भी इसका लाभ उठा सकेंगे।इस पहल से प्रदेश के युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाकर उन्हें डिजिटल युग के अनुरूप तैयार किया जा सकेगा। साथ ही सेवामित्र पोर्टल पर पंजीकृत कुशल युवाओं को भी इससे सीधा लाभ मिलेगा। इस योजना का पूरा वित्तीय भार राज्य सरकार वहन करेगी। वर्ष 2021-22 से शुरू हुई इस योजना के तहत अब तक 60 लाख युवाओं को टैबलेट व स्मार्ट फोन वितरित किए जा चुके हैं। गत वर्षों में हुई खरीद को देखते हुए इस वर्ष भी एक टैबलेट की कीमत 12 हजार रुपये आंकी जा रही है। ऐसे में 25 लाख टैबलेट की खरीद में तीन हजार करोड़ रुपये खर्च का अनुमान है। उत्तर प्रदेश में महापुरुषों की विरासत को सहेजने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए योगी सरकार ने हर विधानसभा क्षेत्र में 10 स्मारकों के विकास का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में 'डा० बी०आर० आंबेडकर मूर्ति विकास योजना' को स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके तहत महापुरुषों, समाज सुधारकों और सांस्कृतिक विभूतियों की मूर्तियों का संरक्षण, सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। इसके अंतर्गत योगी सरकार बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के साथ-साथ संत रविदास, कबीर, ज्योतिबा फुले, महर्षि वाल्मीकि समेत अन्य महापुरुषों की मूर्तियों का व्यापक सौंदर्यीकरण करेगी। इसके साथ ही आगामी 14 अप्रैल को प्रदेश की सभी विधानसभा क्षेत्रों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यहां स्थानीय जनप्र-तिनिधि (सांसद, विधायक, एमएलसी) जनता को इस योजना और चयनित स्थलों के बारे में जानकारी भी देंगे।

अहमदाबाद मे...

एल डिवीजन के एसीपी डीवी राणा ने बताया कि आरोप है कि डेयरी में तैयार घोल के बने डोसा खाने से दो बच्चियों की मौत हुई है। वहीं, घनश्याम डेयरी के मालिक केतन भाई का कहना है कि 1 अप्रैल को उन्होंने 100 किलो से ज्यादा खीरू (डोसे का घोल) बेचा था, लेकिन किसी अन्य ग्राहक से ऐसी कोई शिकायत नहीं मिली।इसके बाद तीन महीने की बच्ची का शव मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में कब्र से निकाला गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। परिवार के अलावा इस डेयरी से घोल खरीदने वाले अन्य लोगों से भी संपर्क कर उनके बयान लिए जा रहे हैं। वहीं, घनश्याम डेयरी के मालिक केतन भाई का कहना है कि 1 अप्रैल को उन्होंने 100 किलो से ज्यादा खीरू (डोसे का घोल) बेचा था, लेकिन किसी अन्य ग्राहक से ऐसी कोई शिकायत नहीं मिली। उन्होंने दावा किया कि खीरू पूरी तरह घर पर तैयार किया जाता है और इसमें गड़बड़ी की संभावना नहीं है।

अखिलेश यादव का भाजपा पर तीखा प्रहार

कहा- लोकतंत्र और संविधान के खिलाफ काम कर रही है

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री Akhilesh Yadav ने कहा है कि भाजपा साजिश के तहत लोकतंत्र की पवित्रता को नष्ट कर रही है और लोकतांत्रिक व्यवस्था के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा संविधान विरोधी है और बाबा साहब B. R. Ambedkar द्वारा बनाए गए संविधान का सम्मान नहीं करती। राजधानी Lucknow में समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर विभिन्न जिलों से आए नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पीडीए की ताकत के सामने भाजपा की एक नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि पीडीए की बढ़ती ताकत से भाजपा घबराई हुई है और समाजवादी पार्टी उसे लोकतंत्र की हत्या नहीं करने देगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार

बनने पर पीडीए की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी और उसे पूरा अधिकार व सम्मान मिलेगा। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी का लक्ष्य सामाजिक न्याय पर आधारित शासन स्थापित करना है, जबकि भाजपा सामाजिक न्याय की विरोधी है। उन्होंने प्रदेश की स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि महंगाई और बेरोजगारी अपने चरम पर हैं और भ्रष्टाचार ने सभी सीमाएं पार कर दी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हर विभाग में भ्रष्टाचार व्याप्त है और कमीश-नखोरी तथा मुनाफाखोरी के कारण महंगाई लगातार बढ़ रही है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676